E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 88 | प्रयागराज, गुरूवार 11 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमले किए,हेलिकॉप्टर गिराने के बदले में अटैक

जवाब में ईरान का बहरीन में अमेरिकी बेस पर हमला

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ण्ङ्ऊण्ध्श्) ने कहा कि यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर गिराए जाने के जवाब में की गई। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि गश्त कर रहे अमेरिकी एएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर को ईरान ने मार गिराया। हालांकि, उन्होंने कहा कि दोनों पायलट सुरक्षित हैं। ट्रम्प ने लिखा, 'अमेरिका को इस हमले का जवाब देना ही होगा।' उधर, ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने जवाबी कार्रवाई में बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने और अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट मुख्यालय को ड्रोन से निशाना बनाया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरानी सेना हर हमले का जवाब देगी। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर सुरक्षित रहना चाहते हैं तो हमारा क्षेत्र छोड़ दें।' हालांकि, हेलिकॉप्टर हादसे को लेकर अलग-अलग दावे हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, अपाचे हेलिकॉप्टर एक ईरानी ड्रोन से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। घटना की जांच जारी है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमले किएः होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर गिरने के बाद अमेरिका ने ईरान पर जवाबी हमले किए। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि हेलिकॉप्टर ईरान ने गिराया था, जबकि तेहरान ने हर हमले का जवाब देने की चेतावनी दी। 2. ट्रम्प बोले- 2 हफ्ते में ईरान पर 'पूरी जीत' का ऐलान करेंगेः रिपब्लिकन रैली में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ईरान के खिलाफ बढ़त बनाए हुए है और अगले दो हफ्तों में 'टोटल विक्ट्री' घोषित करेगा। उन्होंने कहा कि

इससे तेल की कीमतें भी नीचे आएंगी। 3. इजराइल की चेतावनी- जरूरत पड़ी तो फिर करेंगे हमलाः इजराइली सेना प्रमुख एयाल जामिर ने कहा कि हालिया ऑपरेशन सिर्फ शुरुआत थी। जरूरत पड़ने पर इजराइल ईरान पर और बड़े हमले करने के लिए तैयार है। 4. ट्रम्प-नेतन्याहू के रिश्तों में बढ़ी दूरीः ईरान-इजराइल तनाव के बीच ट्रम्प ने नेतन्याहू को चेताया कि संघर्ष बढ़ाने पर इजराइल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि दोनों नेताओं के बीच मतभेद अब खुलकर सामने आने लगे हैं। 5. होर्मुज के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैशः एएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर होर्मुज स्ट्रेट के पास समुद्र में गिर गया। दोनों पायलट सुरक्षित बचा लिए गए। अमेरिकी सेना ने पहली बार समुद्र में ड्रोन बोट का इस्तेमाल कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हादसे की जांच जारी है। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना के ठिकानों, बख्तरबंद वाहनों और कमांड सेंटरों पर 14 हमले किए। सोमवार रात से मंगलवार तक ड्रोन, मिसाइल और रॉकेट हमलों के जरिए बिय्यादा, राशफ, अल-कवजाह और कंतारा इलाकों में इजराइली सैनिकों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, रास अल-नकूरा नौसैनिक ठिकाने पर विस्फोटक ड्रोन भी दागे गए।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन 2030 तक खत्म हो जाएगा,खामियां दूर करना चुनौती, मलबा नासा प्रशांत महासागर में गिराएगी, रु9500 करोड़ खर्च होंगे

न्यूयॉर्क। पृथ्वी से करीब 400 किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में स्थित इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

(आईएसएस) अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। नासा ने 2028 से शुरू करके 2030 तक इसे सुरक्षित तरीके से धरती पर गिराने की अपनी योजना को सार्वजनिक किया है। इसके लिए नासा ने 1 अरब डॉलर (करीब 9500 करोड़ रुपए) का प्लान तैयार किया है। आईएसएस पिछले 25 साल से सबसे बड़ी अंतरिक्ष प्रयोगशाला के रूप में काम कर रहा है। आईएसएस निर्धारित उम्र पूरी कर चुका है। इसका कार्यकाल कई बार बढ़ चुका है। पिछले कुछ सालों से इसमें लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। स्टेशन को सुरक्षित बनाए रखने पर अरबों डॉलर खर्च होते हैं। नासा अब अपने संसाधनों को चंद्रमा और मंगल मिशनों पर केंद्रित करना चाहता है। इसलिए आईएसएस को सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से रिटायर करने का फैसला लिया गया है। आईएसएस को एक यान से धरती के वायुमंडल में धकेलेंगे- करीब 4.5 लाख किलोग्राम वजनी आईएसएस को यूं ही पृथ्वी की ओर गिरने नहीं दिया जाएगा। 2028 के आसपास स्टेशन को कक्षा में बनाए रखने की प्रक्रिया धीरे-धीरे बंद कर दी जाएगी। विशेष अंतरिक्ष यान से उसे नियंत्रित तरीके से पृथ्वी के वायुमंडल में धकेला जाएगा। वायुमंडल में प्रवेश करते ही स्टेशन का अधिकांश हिस्सा घर्षण से जलकर नष्ट हो जाएगा। हालांकि, इसके बाद भी स्पेस के बड़े टुकड़े पृथ्वी पर आबादी वाले क्षेत्रों में गिर सकते हैं। इसलिए नासा ने प्रशांत महासागर के एक दूरस्थ क्षेत्र को चुना है, ताकि वायुमंडल में जलने के बाद बचा हुआ मलबा इसी सुनसान समुद्री क्षेत्र में गिरे। नासा के अनुसार, आईएसएस को दक्षिण प्रशांत महासागर के क्षेत्र में क्रैश किया जाएगा। इस जगह का नाम पॉइंट नीमो है। यह जगह वैश्विक स्तर पर खास अंतरिक्ष के पुराने स्पेस स्टेशन, सैटेलाइट और दूसरे कचरे को डिस्पोज करने के लिए चुनी गई है। पॉइंट नीमो के आसपास किसी भी जहाज के जाने पर बैन है। यहां इंसानों के रहने के लिए कोई जगह नहीं है। साल 1971 से लेकर अब तक तकरीबन 300 तरह के अंतरिक्षीय कचरे को यहां गिराया गया है। इसमें अधिकतर अमेरिकी और रूसी कचरा शामिल है। 19 देशों के अंतरिक्ष यात्री आईएसएस का दौरा कर चुके-आईएसएस में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सभी सुविधाएं मौजूद हैं। यहां 6 से 8 लोग 6 महीने तक रह सकते हैं। इस पर पृथ्वी से उड़ान भरने वाले बड़े-बड़े अंतरिक्ष यान उतारे जाते हैं। अब तक 19 देशों के 250 से ज्यादा अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस का दौरा किया है।

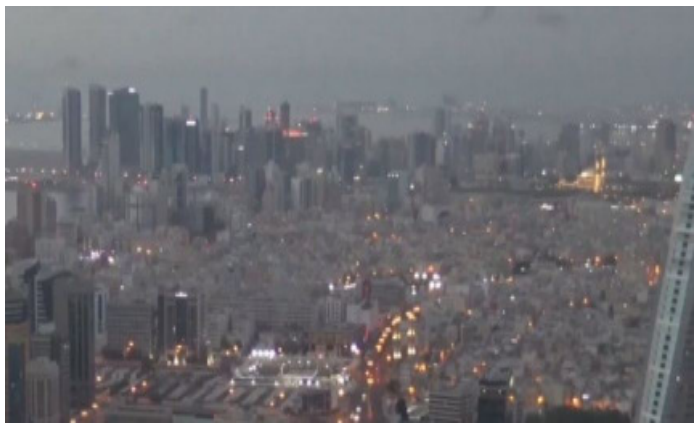

ईरान का बहरीन, कुवैत, जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला, अमेरिकी एयरस्ट्राइक के जवाब में कार्रवाई, ट्रम्प बोले थे- हेलिकॉप्टर गिराने का बदला लेंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने बुधवार को बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर कुल 21 हमले करने का दावा किया।

हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि नुकसान की जानकारी बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि ये हमले अमेरिकी कार्रवाई के जवाब में किए गए हैं। इससे पहले अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और निगरानी रडार ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। इससे पहले सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी सेना का अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। एक दिन बाद ट्रम्प ने इसका आरोप ईरान पर लगाया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका इस हमले का जवाब जरूर देगा और इसके जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। हालांकि ईरान ने अमेरिकी हेलिकॉप्टर गिराने की जिम्मेदारी नहीं ली है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमले किएः होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर गिरने के बाद अमेरिका ने ईरान पर जवाबी हमले किए। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि हेलिकॉप्टर ईरान ने गिराया था, जबकि तेहरान ने हर हमले का जवाब देने की चेतावनी दी। 2. ट्रम्प बोले- 2 हफ्ते में ईरान पर 'पूरी जीत' का ऐलान करेंगेः रिपब्लिकन रैली में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ईरान के खिलाफ बढ़त बनाए हुए है और अगले दो हफ्तों में 'टोटल विक्ट्री' घोषित करेगा। उन्होंने कहा कि इससे तेल की कीमतें भी नीचे आएंगी। 3. इजराइल की चेतावनी- जरूरत पड़ी तो फिर करेंगे हमलाः इजराइली सेना प्रमुख एयाल जामिर ने कहा कि हालिया ऑपरेशन सिर्फ शुरुआत थी। जरूरत पड़ने पर इजराइल ईरान पर और बड़े हमले करने के लिए तैयार है। 4. ट्रम्प-नेतन्याहू के रिश्तों में बढ़ी दूरीः ईरान-इजराइल तनाव के बीच ट्रम्प ने नेतन्याहू को चेताया कि संघर्ष बढ़ाने पर इजराइल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि दोनों नेताओं के बीच मतभेद अब खुलकर सामने आने लगे हैं। 5. होर्मुज के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैशःएएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर होर्मुज स्ट्रेट के पास समुद्र में गिर गया। दोनों पायलट सुरक्षित बचा लिए गए। अमेरिकी सेना ने पहली बार समुद्र में ड्रोन बोट का इस्तेमाल कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हादसे की जांच जारी है। बहरीन डिफेंस फोर्स ने कहा है कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान की मिसाइल और ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक रोककर नष्ट कर दिया है। बहरीन ने ईरान पर नागरिक इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि उसकी सेना पूरी तरह अलर्ट और तैयार है। सेना ने लोगों से अपील की कि हमलों के मलबे जैसी किसी संदिग्ध चीज के पास न जाएं और तुरंत अधिकारियों को सूचना दें। बहरीन ने कहा कि नागरिकों और निजी संपत्ति पर मिसाइल और ड्रोन हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन हैं। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के केश्म द्वीप पर केश्म सिटी इलाके में धमाके की आवाज सुनी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धमाके की असली वजह अभी साफ नहीं है और जांच जारी है। चीन ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर गिरने के बाद पहली बार अमेरिकी नौसेना ने समुद्र में फंसे सैनिकों को बचाने के लिए सी-ड्रोन का इस्तेमाल किया। 24 फीट लंबे 'सारोनिक कोर्सेर' नाम के इस ऑटोमैटिक ड्रोन बोट ने 2 अमेरिकी सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसे समुद्री रेस्क्यू मिशन में अमेरिकी ड्रोन जहाज के पहले बड़े इस्तेमाल के तौर पर देखा जा रहा है।

फिलीपींस में भूकंप के बाद मौत का आंकड़ा 45 पहुंचा, 2100 से ज्यादा आफ्टरशॉक आए

फिलीपींस। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप के बाद हालात अभी भी सामान्य नहीं हो पाए हैं। मुख्य भूकंप के दो दिन बाद भी धरती लगातार कांप रही है और अब तक 2100 से ज्यादा आफ्टरशॉक दर्ज किए जा चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप और उसके बाद हुए नुकसान में 45 लोगों की मौत हो चुकी है, 630 से ज्यादा लोग घायल हैं और 17 लोग अब भी लापता हैं। बुधवार को जनरल सैंटोस शहर में एक ढही हुई इमारत में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान फिर जोरदार झटका महसूस हुआ। झटके के बाद बचावकर्मियों को तुरंत बाहर निकलना पड़ा, क्योंकि इमारत से मलबा गिरने लगा था।लगातार आ रहे आफ्टरशॉक की वजह से लोग घर लौटने से डर रहे हैं। 25 हजार से ज्यादा लोग अब भी राहत शिविरों में रह रहे हैं। भूकंप से 3,100 से ज्यादा घर, दर्जनों सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं।

जनरल सैंटोस एयरपोर्ट को भी नुकसान पहुंचा है, जिसके चलते सामान्य उड़ानें बंद कर दी गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह फिलीपींस में पिछले कई दशकों के सबसे ताकतवर भूकंपों में से एक है। आफ्टरशॉक का सिलसिला अभी कुछ दिनों तक जारी रह सकता है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

कनाडा में फर्जी लाइसेंस पर 17 साल तक जहाज उड़ाया,पायलट पर हजारों यात्रियों की जान खतरे में डालने का आरोप

कनाडा ।कनाडा की एयरलाइन एयर कनाडा के पूर्व

पायलट ज्योफ्री वॉल पर फर्जी लाइसेंस के सहारे 17 साल तक कमर्शियल फ्लाइट उड़ाने का आरोप लगा है। डिप्टी चीफ निक मिलिनोविच ने कहा कि आरोपी ने हजारों यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाला। कनाडा। पुलिस के मुताबिक वॉल पर 5 हजार डॉलर से ज्यादा की धोखाधड़ी, पब्लिक मिसचीफ, फर्जी दस्तावेज इस्तेमाल करने और नकली प्रमाण चिह्न रखने समेत कई आरोप लगाए गए हैं। 59 वर्षीय वॉल को 1 जून को गिरफ्तार किया गया। ट्रांसपोर्ट कनाडा की जांच में दस्तावेजों में गड़बड़ी मिलने के बाद यह मामला सामने आया। आरोप है कि वॉल ने 1998 में एविएशन करियर शुरू किया था और 2009 में फर्जी क्रेडेंशियल के आधार पर पायलट-इन-कमांड यानी कप्तान का पद हासिल कर लिया। इसके बाद वह वर्षों तक हजारों यात्रियों को लेकर उड़ान भरता रहा। मामला तब खुला, जब पिछले साल पियर्सन एयरपोर्ट पर ट्रांसपोर्ट कनाडा की नियमित ऑपरेशनल जांच के दौरान उसके दस्तावेजों में कमियां मिलीं। इसके बाद 'प्रोजेक्ट इकारस' नाम से विस्तृत जांच शुरू की गई। अब जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि आरोपी ने फर्जी दस्तावेज कैसे तैयार किए और इतने लंबे समय तक सिस्टम की नजरों से कैसे बचा रहा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर किया एयरस्ट्राइक, 11 बच्चों समेत 13 की मौत, 14 महिलाएं घायल, तालिबान ने एयरस्पेस उल्लंघन का आरोप लगाया

काबुल/इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने मंगलवार रात अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की। तालिबान के मुताबिक, इन हमलों में 13 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग शामिल हैं। 14 महिलाएं घायल हुई हैं। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में आम घरों को निशाना बनाकर बमबारी की। मुजाहिद ने घायलों की फोटोज भी शेयर कीं। हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक इस कार्रवाई के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच रिश्ते लगातार खराब होते जा रहे हैं। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच सीमा पर गोलीबारी हो रही है। एक दिन पहले पाकिस्तान के 6 सुरक्षाकर्मी मारे गए- पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 9 जून को एक बॉर्डर चौकी पर हुए हमले में पाकिस्तान के छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक हमले के दौरान आठ आतंकवादी भी मारे गए। अधिकारियों ने दावा किया कि हमलावरों ने सीमा चौकी पर कब्जा करने की कोशिश की थी। पाकिस्तान लंबे समय से कहता रहा है कि

उसकी सैन्य कार्रवाई आतंकवादी संगठनों के खिलाफ है, खासकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ। पाकिस्तान का आरोप है कि (टीटीपी) के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन से काम करते हैं और पाकिस्तान में हमले करते हैं। वहीं काबुल में तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। उसका कहना है कि वह किसी भी ऐसे समूह को पनाह नहीं दे रही है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

मोदी ने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा-लगातार सबसे ज्यादा दिनों से इलेक्टेड पीएम

नयी दिल्ली। नरेंद्र मोदी बतौर इलेक्टेड प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को पार कर चुके हैं। नेहरू चुनाव जीतकर 4398 दिन प्रधानमंत्री रहे थे। मोदी का बतौर पीएम आज उससे एक ज्यादा यानी 4399वां दिन है। हालांकि नेहरू 1947 से 1952 तक भी प्रधानमंत्री थे, लेकिन तब चुनाव नहीं हुआ था यानी इलेक्टेड पीएम नहीं थे। उसे भी जोड़ दें तो नेहरू का कुल कार्यकाल 6131 दिन का हो जाएगा। देश में सबसे ज्यादा लगातार 9000 से ज्यादा दिनों तक सत्ता प्रमुख रहने का रिकॉर्ड भी नरेंद्र मोदी के नाम है। पहले गुजरात के सीएम और फिर देश के पीएम के तौर पर। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वे 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक कुल 1732 दिन पीएम रहे। इसके बाद 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ।

कांग्रेस सत्ता में आई। संसदीय दल ने नेहरू को अपना नेता चुना। इसके बाद नेहरू 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक लगातार निर्वाचित पीएम रहे। पहले 'लगातार कार्यकाल' और 'कुल कार्यकाल' में अंतर समझें-लगातार कार्यकाल और कुल कार्यकाल में मुख्य अंतर यह है कि कोई पद बीच में छोड़ा ना गया है या नहीं। 1. जब कोई नेता बिना किसी रुकावट के एक ही पद पर बना रहता है, तो उसे लगातार कार्यकाल कहते हैं। उदाहरणः नरेंद्र मोदी 26 मई 2014 से लगातार भारत के प्रधानमंत्री हैं। इसलिए उनका वर्तमान कार्यकाल लगातार कार्यकाल माना जाएगा। 2. जब किसी नेता ने एक ही पद पर अलग-अलग पीरिएड में काम किया हो, तो उन सभी कार्यकाल को जोड़कर कुल कार्यकाल निकाला जाता है। उदाहरणः अटल बिहारी वाजपेयी तीन बार देश के पीएम रहे। तीनों पीरिएड को जोड़कर कुल कार्यकाल निकाला जाएगा। मोदी को मिले 31 देश के सर्वोच्च सम्मान- प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी को अब तक 31 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है। सबसे पहले 3 अप्रैल 2016 को सऊदी अरब ने 'ऑर्डर ऑफ किंग अब्दुलअजीज' सम्मान से नवाजा था। इसी साल मई में नॉर्वे के दौरे के दौरान मोदी को वहां के राजा ने हेराल्ड पंचम ने 'ग्रांड क्रॉस ऑफ रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया था। इसके अलावा साल 2016 में संयुक्त राष्ट्र से यूएन चैंपियन ऑफ द अर्थ अवॉर्ड भी मिल चुका है। मोदी ने अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, समेत दुनिया के 15 देशों की संसद को संबोधित किया है। साल 2025 भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक साबित हुआ। भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना। दूसरी तिमाही (क्यू2) में जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 8.2फीसदी रही।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

रूस में 20 गुजराती फंसे, बोले-पासपोर्ट जब्त,एजेंट ने डेढ़ लाख की नौकरी का झांसा देकर भेजा, सैलरी रु10 हजार मिली

अहमदाबाद। गुजरात के आनंद और वडोदरा के 20 युवक-युवतियां रूस में फंस गए हैं। उनका

आरोप है कि उन्हें 1 से 1.5 लाख रुपए महीने की नौकरी का लालच देकर रूस भेजा गया, लेकिन अब बहुत कम वेतन मिल रहा है। साथ ही रहने-खाने को मोहताज हो गए हैं। गुजरात पुलिस के मुताबिक, पेटलाद निवासी रिम्पल कुमार पटेल ने फिश पैकिंग और टेलरिंग की नौकरी दिलाने के नाम पर 33 लोगों को रूस भेजा। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

व्यापार एवं उद्योग किसी भी जनपद की आर्थिक रीढ़ होते हैं, और इनके सशक्त होने से ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव- अदिति सिंह

जनपद के औद्योगिक विकास हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा- सदर विधायक,प्रदेश सरकार व्यापारियों एवं उद्यमियों के हितों के संरक्षण तथा उनके व्यवसाय को सरल, सुरक्षित एवं लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध, व्यापारियों एवं उद्यमियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित,विकास कार्यों एवं औद्योगिक प्रोत्साहन पर हुई विस्तृत चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सदर विधायक अदिति सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता की गरिमामयी उपस्थिति में विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में व्यापारियों एवं उद्यमियों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए व्यापारियों एवं उद्यमियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा अपने व्यवसाय से संबंधित समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मा0 सदर विधायक अदिति सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यापार एवं उद्योग किसी भी जनपद की आर्थिक रीढ़ होते हैं और इनके सशक्त होने से ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों एवं उद्यमियों के हितों के संरक्षण तथा उनके व्यवसाय को सरल, सुरक्षित एवं लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा नीतिगत स्तर पर कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं, जिससे व्यापारिक वातावरण को अधिक अनुकूल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि संवाद कार्यक्रम जैसे मंच इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जहां व्यापारी सीधे अपनी बात रख सकते हैं और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों एवं शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए समयबद्ध तरीके से उनका निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। मा0 विधायक ने उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा स्वरोजगार एवं उद्योग स्थापना के माध्यम से जनपद में रोजगार के नए अवसर सृजित करें। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि जनपद के औद्योगिक विकास हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा और आवश्यकतानुसार उच्च स्तर पर भी विषयों को उठाया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने उपस्थित उद्यमियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा स्वरोजगार, उद्योग स्थापना एवं विस्तार हेतु अनेक लाभकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका अधिक से अधिक लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। संवाद कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों द्वारा आधारभूत सुविधाओं, वित्तीय सहायता, लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं में सरलीकरण एवं स्थानीय स्तर पर औद्योगिक वातावरण को सुदृढ़ करने संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए गए। संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियों एवं प्रशासन के मध्य समन्वय स्थापित करना तथा जनपद में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करना रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त राज्यकर डॉ शिखा गुप्ता, परमहंस लाल, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, उद्यमी व व्यापारी उपस्थित रहें।

डीएम ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक,15 जून से 21 जून तक मनाया जाएगा योग सप्ताह

21 जून को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में होगा मुख्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने 21 जून को आयोजित होने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सकुशल संपन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ0 पूनम यादव ने अवगत कराया कि जनपद में 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। योग सप्ताह का शुभारंभ 15 जून को प्रातः 06:00 बजे गुरु गोविंद सिंह उद्यान में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योग सप्ताह के दौरान शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाएगा, जिसमें रंगोली, स्लोगन, भाषण, ड्राइंग, निबंध लेखन एवं योगासन प्रतियोगिताएं शामिल होंगी।डॉ0 पूनम यादव ने यह भी बताया कि 21 जून, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद मुख्यालय स्थित मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में प्रातः 06:00 बजे से सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही, प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को योग शिविर में पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों, विकास खंडों एवं तहसील स्तर पर भी योग शिविर आयोजित कर व्यापक स्तर पर योगाभ्यास कराया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि योग दिवस के अवसर पर 18003157008 नंबर पर मिस्ड कॉल करने पर व्हाट्सएप के माध्यम से एक लिंक प्राप्त होगा, जिसमें योग से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स उपलब्ध कराए जाएंगे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योग दिवस एवं योग सप्ताह के कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित, व्यापक एवं सफल बनाना सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक जनसामान्य की सहभागिता हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

थाना बभनी पुलिस को मिली बड़ी सफलता,दहेज हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक बभनी श्री दिनू प्रसाद यादव के नेतृत्व में थाना बभनी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना बभनी पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-112/2026, धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। कृत कार्यवाही:-मुखबिर की सूचना पर दिनांक 10.06.2026 को समय करीब 07:40 बजे थाना बभनी पुलिस टीम द्वारा कारीडाड़ आश्रम मोड़ के पास से 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरणः-1. कन्हैया लाल गुप्ता पुत्र स्व0 रामप्रसाद, निवासी ग्राम भंवर-II मगरमाड़, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 52 वर्ष।

2. रामसजीवन गुप्ता पुत्र कन्हैया लाल गुप्ता, निवासी ग्राम भंवर-II मगरमाड़, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 24 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः- **प्र0नि0 दिनू प्रसाद यादव, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। उ0नि0 शिवमूरत यादव, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। हे0का0 प्रदीप कुमार सिंह, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। रि0का0 विपिन कुमार, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। रि0का0 नवनीत कुमार तिवारी, थाना बभनी जनपद सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है।**

खरीफ अभियान, उर्वरक उपलब्धता एवं सहकारी समितियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न,किसानों को पर्याप्त खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति पर जिलाधिकारी का विशेष जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में दिनांक 09 जून 2026 को कृषि एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, जिला प्रबंधक पीसीएफ, इफको प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खरीफ अभियान 2026 के अंतर्गत उर्वरक, बीज एवं अन्य कृषि निवेशों की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्वरकों की जमाखोरी,कालाबाजारी, अवैध भंडारण, टैगिंग, डायवर्जन अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संभावित एलनीनो प्रभाव के कारण वर्षा में अनियमितता की आशंका व्यक्त करते हुए किसानों से कम पानी वाली फसलों एवं दलहनी फसलों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे जल संरक्षण के साथ-साथ मृदा उर्वरता भी बनी रहेगी। सहकारिता विभाग की समीक्षा में सहकारी समितियों के नियमित संचालन, उर्वरक वितरण एवं सहकारी देयों की वसूली की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने विभागीय कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने रायबरेली विकास प्राधिकरण कार्यालय का किया निरीक्षण,कार्यालय व्यवस्था, लंबित प्रकरणों के निस्तारण व नागरिक सुविधाओं की गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज रायबरेली विकास प्राधिकरण (आरडीए) कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय के रख-रखाव, अभिलेखों एवं फाइलों के निस्तारण की प्रगति, कर्मचारियों की उपस्थिति तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं दक्षता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यालय में साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव तथा आगंतुकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। साथ ही कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं कार्य संस्कृति में सुधार लाने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों से संबंधित मामलों में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनसुनवाई से प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राधिकरण सीमा क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त प्रकार के पूर्व निर्मित बिल्डिंग्स जिनका मानचित्र पास नहीं है तथा निर्माणाधीन भवनों के मानचित्र स्वीकृत/शमन हेतु आवेदन अगले 07 दिवस में अवश्य करा लें, मानचित्र स्वीकृति के लिए विकास प्राधिकरण में सिंगल बिन्डों सिस्टम है। विकास प्राधिकरण लैण्डयूज के अनुरूप 15 दिवस में मानचित्र स्वीकृति प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। उपर्युक्त निर्माणों के मानचित्रक स्वीकृत न होने की दशा में उ0प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए सम्बन्धित निर्माणकर्ता स्वयं उत्तरदायी होंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि उ0प्र0 शासन के आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग-01 द्वारा जारी शासनादेश के अन्तर्गत सम्पत्तियों के डिफाल्टर आवंटियों के सापेक्ष बकाये की वसूली हेतु एक अवसर प्रदान करने के लिए मुश्त समाधान योजना (ओ0टी0एस0) 2026 दिनांक 17 जुलाई 2026 तक संचालित है। उक्त योजना का लाभ डिफाल्टर आवंटी ले सकते हैं। निर्धारित तिथि तक उक्त योजना का लाभ नहीं उठाते हैं तो आर0सी0 जारी करने की कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राधिकरण की समस्त योजनाओं में जिनके द्वारा भवन/भूखण्ड का बकाया धनराशि जमा कर दी गयी है या अवशेष है ऐसे आवंटी अपने भवन/भूखण्ड की बकाया धनराशि जमा करके विक्रय विलेख 15 दिवस में करा लें, अन्यथा की स्थिति में भवन/भूखण्ड के निरस्तीकरण की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी, जिसके समस्त जिम्मेदारी स्वयं आवंटियों की होगी। इस अवसर पर सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण/अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव सहित आरडीए के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रेम के मोतियों को जगह-जगह बिखेरो , कड़वी वाणी विनाश का कारण बनती हैः यशोदानंदन जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वृन्दावन। श्री लड्डू गोपाल सेवा ट्रस्ट, हरिहर आ?श्रम वृन्दावन धाम में बह रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के सातवें अंतिम दिन यशोदानंदन महाराज जी ने श्रीकृष्ण और सुदामा प्रसंग का मार्मिक चित्रण किया। महाराज जी ने कहा कि भगवान की शिक्षा संदीपन ऋषि के आश्रम में हुयी, जहां उनकी मुलाकात सुदामा नाम के ब्राह्मण से हुयी,दोनों लोग एक ही कक्ष में रहने के कारण इनकी मित्रता प्रगाढ़ हो गई।कहा जाता है कि एक बार गुरु माता ने इन दोनो को वृक्ष की लकड़ियां लाने भेजा और रास्ते में खाने के लिये चने की पोटली दी,जो सुदामा ने श्रीकृष्ण को बतायें बिना अकेले ही खा ली। महाराज जी कहते हैं कि जो गुरु से कपट और मित्र से चोरी करता है वह निर्धन हो जाता है । सुदामा जी इसी से निर्धन हो गये, यहां तक कि कभी कभी एक टाइम खाने को भी नहीं मिलता था। सुदामा जी निरन्तर भगवान श्रीकृष्ण का जाप किया करते थे, सुदामा जी की पत्नी सुशीला रोज उन्हें उलाहना देती थीं कि जब द्वारिकाधीश तुम्हारे मित्र हैं तो उनसे मिलकर कुछ मांग लाओ, जिससे तुम्हारी दरिद्रता दूर हो सके। काफी समझाने पर सुदामा जी द्वारिकाधीश से मिलने के लिए तैयार हो गए। सुदामा जी जब द्वारिका चलने के लिए तैयार हुए तो सुशीला ने पड़ोस से चावल लाकर पोटली बनाकर दी। सुदामा जी द्वारिका की ओर चल दिए। ऊबड़-खाबड़ रास्तों में चलने से उनके पैरों में बिवाई फूट पड़ी। चलते-चलते वह थक कर सो गये,जगे तो अपने आपको द्वारिकाधीश के महल के सामने पाया। उन्होंने द्वारपालों से बताया कि द्वारिकाधीश से बता दो कि उनके बचपन के मित्र सुदामा आये हैं। द्वारपालों ने पहले उपहास उड़ाया कि इतने गरीब द्वारिकाधीश के मित्र नहीं हो सकते। बार बार सुदामा जी के कहने पर द्वारपाल द्वारिकाधीश से सुदामा का संदेश सुनाया। द्वारपालों के मुख से सुदामा जी का नाम सुनते ही श्री कृष्ण जी जिस दशा में थे,उसी दशा में दौड़ते हुए गेट पर आये और सुदामा से गले मिलकर अन्दर आकर अपने सिंहासन पर बैठाया और अपने आंसुओं से सुदामा के चरण धोए। द्वारिकाधीश की सभी रानियां अचरज भरी नजरों से सुदामा और द्वारिकाधीश को देख रहीं थीं।इसी बीच सुदामा के पास पोटली देखी तो उन्होंने पोटली को सुदामा से छीन कर उसको खोलकर खाने लगे दो मुट्ठी खाने के जब तीसरी मुट्ठी खाने लगे तो रूक्मिणी ने उनका हाथ पकड़ लिया। सुदामा जी जब अपने घर लौटे तो घर के स्थान पर बड़े-बड़े महल बने खड़े थे, सुदामा जी को बड़ा आश्चर्य हुआ कि उनकी झोंपड़ी कहा चली गयी। उन्होंने द्वारिकाधीश से निवेदन किया कि मुझे धन नहीं चाहिए मुझे तो केवल आपका नाम चाहिए। सुदामा प्रसंग के बाद यदुवंशियों के समाप्ति का प्रसंग सुनाया। एक बार यदुवंशियों के बच्चे पेट में मूसल बांधकर सन्तों से पूंछा कि बताओ इसे लड़का होगा कि लड़की। इसे सुनकर दुर्वासा ऋषि नाराज हो और उन्होंने शाप दिया कि इसे मूसल होगा और उससे यदुकुल का नाश होगा। शापित होने पर उस मूसल के 99 लाख टुकड़े कर उसे समुद्र में फेंक दिया, जिसके एक टुकड़े को मछली निगल गयी,जिसे शिकारी ने अपने तीर में लगा दिया, जिसके लगने से भगवान गोलोक प्रस्थान कर गए। सातवें दिन तक्षक नाग फुलों में बैठकर आया और राजा परीक्षित को डस लिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गयी।उनकी मृत्यु के बाद उनके पुत्र जन्मेजय ने नागयज्ञ किया,जिससे सारे सर्प यज्ञ में अपनी आहुति दे रहे थे,नागों की प्रजाति समाप्त होने पर बचे हुए नागों ने प्रार्थना की,जिस पर यज्ञ समाप्त किया गया। इस कथा यज्ञ में पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगलौर, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली से लोग शामिल हुए। महाराज जी द्वारा कथा प्रसंग में गाये गये भजनों अब तो आ जाओ नन्दलाल,कब दर्शन दोगे नन्दलाल,हमने जो दास्तां सुनायी तो आप क्यों रोये,अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो आदि पर पूरा पांडाल मंत्र मुग्ध हो कर नाचते-गाते रहे।

डीएम-एसपी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण,जनपद के 11 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने आज आयोजित की जा रही 30प्र0 पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को नकल विहीन, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु भारतीय शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज खागीपुर सड़वा व पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के समय सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी, यातायात व्यवस्था की जांच की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा जनपद के 11 परीक्षा केन्द्रों पर 08, 09 व 10 जून, 2026 को प्रत्येक दिवस को दो पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई तथा अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी की गई। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया कि आज की आयोजित उ0प्र0 पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा में प्रथम पाली में कुल 3744 अभ्यर्थियों में से 2837 अभ्यर्थी उपस्थित व 907 अभ्यर्थी अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में कुल 3744 अभ्यर्थियों में से 2823 अभ्यर्थी उपस्थित व 921 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 7488 अभ्यर्थियों में से 5660 अभ्यर्थी उपस्थित व 1828 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें।निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

नोएडा में जानलेवा एवं अवैध यूनिपोलों के खिलाफ सपा ने खोला मोर्चा, गृह मंत्री अमित शाह को भेजा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मंगलवार को समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने नोएडा में बड़ी संख्या में लगाए जा रहे अवैध, असुरक्षित एवं अनधिकृत यूनिपोल विज्ञापन ढांचों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए भारत सरकार के गृह मंत्री श्री अमित शाह को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि नोएडा में पिछले कई महीनों से विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में यूनिपोल लगाए जा रहे हैं, जिनमें से अनेक सुरक्षा मानकों, इंजीनियरिंग नियमों तथा आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृतियों की अनदेखी कर स्थापित किए गए प्रतीत होते हैं। इन संरचनाओं के कारण आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने अपने पत्र में 4 जून को फूटपाथ के निकट लगे एक यूनिपोल के गिरने से हुई दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस हादसे में एक टेम्पो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। यह घटना दर्शाती है कि ऐसे असुरक्षित ढांचे किसी भी समय बड़े हादसे और जनहानि का कारण बन सकते हैं। सपा महानगर अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि एलिवेटेड रोड के आसपास तथा सेक्टर-75, 76, 51, 62, 34, 70 सहित विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में यूनिपोल स्थापित किए गए हैं। इनमें से कई सार्वजनिक भूमि और सुविधाओं के लिए निर्धारित स्थानों पर लगाए गए हैं, जिससे नागरिक सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि कई स्थानों पर यूनिपोल अत्यंत असुरक्षित तरीके से स्थापित किए गए हैं, जिससे पैदल यात्रियों, वाहन चालकों तथा आसपास रहने वाले लोगों के जीवन पर निरंतर खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई न किए जाने से लोगों में आक्रोश है। उन्होंने गृह मंत्री से मांग की है कि नोएडा में स्थापित सभी यूनिपोलों का तत्काल तकनीकी एवं संरचनात्मक ऑडिट कराया जाए, सभी अवैध एवं असुरक्षित विज्ञापन संरचनाओं को हटाया जाए तथा उनकी अनुमति एवं निर्माण प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और ठेकेदारों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही जहां-जहां यूनिपोल गिरने या दुर्घटना की घटनाएं हुई हैं, वहां संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की भी मांग की गई है। डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि समय रहते इन खतरनाक संरचनाओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागों और अधिकारियों की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, औद्योगिक विकास मंत्री, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों, पुलिस आयुक्त तथा जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर को भी भेजी गई है।

ब्यौहारी वार्ड क्रमांक 9 न्यू बरौंधा नवीन पुल निर्माण की मांग को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन,जर्जर पुलिया और ध्वस्त सड़क से ग्रामीणों में आक्रोश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल/ब्यौहारी। नगर विकास तत्काल मरम्मत एवं नवीन पुल निर्माण की मांग की है। वर्षा में मार्ग पर विशाल गड?ढा बन गया और गांव का संपर्क बाधित हो

के नाम पर भले ही नगर परिषद द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नगर परिषद ब्योहारी के वार्ड क्रमांक 9 स्थित आदर्श ग्राम न्यू बरौंधा जाने वाले एकमात्र संपर्क मार्ग की पुलिया एवं सडक़ लंबे समय से जर्जर और क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी है। इससे वार्डवासियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड वासियो का कहना है कि जुलाई 2025 में हुई भारी वर्षा के दौरान पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। घटना के लगभग एक वर्ष बाद भी पुलिया का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। समस्या की गंभीरता को देखते हुए वार्डवासियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर फिर बह सकती है पुलिया, हो गया है खोखला-वार्ड वासियों के अनुसार जुलाई 2025 की बारिश के बाद पुलिया के नीचे का हिस्सा पूरी तरह खोखला हो गया था। सुरक्षा रेलिंग का अभय होने से दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। वार्डवासियों एवं क्षेत्रीय पार्षद धर्मेन्द्र सिंह द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत एवं ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। एक माह में कार्रवाई नहीं हुई तो होगा जनांदोलन- धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि तेज बारिश के दौरान पुलिया और उससे जुड़ी सड़क का बड़ा हिस्सा बह गया वा जिससे मुख्य मार्ग पर विशाल गड्ढा बन गया। हालत से मजबूर होकर ग्रामीणों ने स्वयं लाखों रुपये खर्च कर नहीं और मिट्टी डालकर अस्थायी मार्ग तैयार किया, लेकिन आगामी चारिश में इसके फिर यह जाने की आशंका बनी हुई है। पार्ड गासियों ने प्रशासन से भास्त पुलिया एवं सहत का तत्काल निर्माण, राडक किनारे मजबूत धिचिग कार्य, नदीन एवं ऊचे पुल का निर्माण, जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही की जांच तथा निर्माण कार्यों की निगरानी के लिए स्थानीय समिति गठित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर उनकी मागों पर कार्रवाई नहीं की नई तो वे सामूहिक धरना-प्रदर्शन एवं जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सम्पर्ण जिम्मेदारी शालन-प्रशासन की होगा।

तपती धूप और गर्मी के बचाव के लिए ट्रैफिक पुलिस सहयोगियों को नेफोमा व पैसेफिक स्कूल के सहयोग से कैप वितरित की गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में और उनकी होशला अफजाही की गई। पुलिस कर्मचारियों को कैप वितरित की गई है. इस मौके

हनुमान मंदिर चौक के पास तपती धूप और गर्मी के बचाव के लिए ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों को फ्लैट बायर्स संगठन नेफोमा और पेसिफिक स्कूल के सहयोग से कैप वितरित की गई। संस्था द्वारा सभी यातायात सहयोगियों को कैप पहनाकर उनका स्वागत किया

इस मौके पर नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने बताया कि इस समय गर्मी का तापमान बहुत ज्यादा है और हमारे यातायात पुलिस कर्मचारी चौराहों पर अपनी ड्यूटी बखूबी तपती धूप और गर्मी में निभाते हैं इसके लिए नेफोमा संगठन और पेसिफिक स्कूल के सहयोग से पर नेफोमा टीम से सदस्य कृष्णानंद, आशीष बंसल, पवन छाबड़ा, उमेश सिंह एवं पेसिफिक स्कूल से नवीन जैन व यातायात निरीक्षक प्रफुल्ल श्रीवास्तव यातायात उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह यातायात उप निरीक्षक रामवीर सिंह व अन्य यातायात सहयोगी उपस्थित रहे।

मानचित्र स्वीकृत/शमन हेतु आवेदन अगले 7 दिवस में अवश्य करा ले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपाध्यक्ष/जिला मजिस्ट्रेट रायबरेली विकास प्राधिकरण सरनीत कौर ब्रोका ने प्राधिकरण सीमा क्षेत्रांगत होटल, लॉज, मैरिज लॉन, रेस्टोरेंट, ढाबा, हॉस्पिटल/नर्सिंग होम इत्यादि के मालिकों/संचालकों से अपील की है कि इस तरह के जो भी निर्माण हैं, उनका भू उपयोग के अनुरूप मानचित्र स्वीकृत/शमन

हेतु आवेदन अगले 7 दिवस में अवश्य करा लें, मानचित्र स्वीकृति के लिए विकास प्राधिकरण में सिंगल विण्डो सिस्टम है। उपर्युक्त निर्माणों के मानचित्र स्वीकृत न होने की दशा में 30प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए सम्बन्धित स्वयं उत्तरदायी होंगे।

वाईएसएस फाउंडेशन ने 'जीरो वेस्ट मीठा शरबत वितरण अभियान' के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पर्यावरण संरक्षण एवं

जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को वाईएसएस फाउंडेशन ने अनंत बर्तन बैंक के सहयोग से सेक्टर-

37, नोएडा स्थित ऑटो स्टैंड पर 'जीरो वेस्ट मीठा शरबत वितरण अभियान' का सफल आयोजन किया। अभियान का आयोजन तरुण टूर एंड ट्रेवल्स एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन आयोग के सहयोग से किया गया। अभियान का उद्देश्य नागरिकों को 'नो डिस्पोजेबल, ओनली री-यूजेबल' का संदेश देना तथा पुनः उपयोग योग्य स्टील के बर्तनों के प्रयोग को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर राहगीरों, ऑटो चालकों एवं स्थानीय नागरिकों को स्टील के बर्तनों में मीठा रूह अफ़ज़ा शरबत वितरित किया गया तथा प्लास्टिक एवं डिस्पोजेबल सामग्री के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंकुर शर्मा (तरुण टूर एंड ट्रेवल्स), दीपक सिंघल (प्रदेश अध्यक्ष, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन आयोग, उत्तर प्रदेश), महेश चौहान (भाजपा जिला अध्यक्ष), अशोक श्रीवास्तव (अध्यक्ष, नवरत्न फाउंडेशन), मनीष गुप्ता, एन.के. अग्रवाल एवं सत्य नारायण गोयल (संरक्षक, वाईएसएस फाउंडेशन), सहायक पुलिस आयुक्त उमेश कुमार, चौकी प्रभारी अंकुर चौधरी, विक्रांत चौधरी एवं अविनाश सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। यदि समाज डिस्पोजेबल संस्कृति को त्यागकर पुनः उपयोग योग्य संसाधनों को अपनाए तो प्लास्टिक प्रदूषण एवं कचरे की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। पर्यावरण संरक्षक दुर्गा प्रसाद दुबे ने कहा कि 'प्लास्टिक हटाओ, देश बचाओ' केवल एक नारा नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक प्लास्टिक उपयोग हमारी भारतीय संस्कृति, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने का प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यक्रम संयोजक दुर्गा प्रसाद दुबे, संदीप यादव, दिनेश कुमार, शिवम, प्रशांत यादव, राजू शर्मा, शीतल शर्मा, रेणु बाला तथा वाईएसएस फाउंडेशन के सैकड़ों युवा स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वाईएसएस फाउंडेशन के निदेशक सचिन गुप्ता ने सभी अतिथियों, सहयोगी संस्थाओं, स्वयंसेवकों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास से जुड़े जन-जागरूकता अभियानों को निरंतर संचालित करती रहेगी।

आईएमएस नोएडा में उभरती तकनीकों के साथ बदलते शिक्षा के परिदृश्य पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में बियॉन्ड क्लासरूम श्रृंखला के अंतर्गत भविष्य की शिक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों पर मंथन किया गया। इस चर्चा के दौरान आर्य

कमल पब्लिक स्कूल की प्राचार्या प्रीति त्यागी, आईएमएस स्कूल ऑफ आईटी की डिप्टी एचओडी डॉ. अनीता पति एवं प्रध्यापिका शैली निगम ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, वर्चुअल एवं ऑगमेंटेड रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों की भूमिका पर अपने विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपना विचार प्रकट करते हुए प्रीति त्यागी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अभिभावकों और छात्रों की अपेक्षाओं में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। आज अभिभावक केवल अच्छे शैक्षणिक परिणामों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ऐसे विद्यालय चाहते हैं जो सुरक्षित, तकनीक-सक्षम और भविष्य के लिए तैयार शिक्षण वातावरण प्रदान करें। वहीं छात्र भी डिजिटल रूप से अधिक जागरूक हो चुके हैं और वे चाहते हैं कि प्रौद्योगिकी को उनकी सीखने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। एक स्कूल लीडर के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक का उपयोग शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए करें, साथ ही शिक्षा के मानवीय पक्ष को भी बनाए रखें, जो सीखने की प्रक्रिया का मूल आधार है। डॉ. अनीता पति ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी का उद्देश्य हमेशा शैक्षणिक लक्ष्यों को मजबूत करना होना चाहिए। हमारा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि हमें कौन-सी तकनीक सीखनी है? बल्कि यह होना चाहिए कि हम किस समस्या का समाधान करना चाहते हैं? किसी भी तकनीकी निवेश से पहले संस्थानों को यह मूल्यांकन करना चाहिए कि उसका छात्रों के सीखने के परिणामों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, शिक्षक उसे अपनाने के लिए कितने तैयार हैं, उसकी दीर्घकालिक उपयोगिता और विस्तार की संभावनाएं क्या हैं, तथा वह भविष्य में कितनी टिकाऊ साबित होगी। शैली निगम ने कहा कि प्रौद्योगिकी शैक्षणिक संस्थानों को अधिक पारदर्शिता और बेहतर संवाद स्थापित करने में मदद करती है। डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म, वर्चुअल कैंपस टूर, ऑनलाइन काउंसलिंग और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाओं के माध्यम से अभिभावकों को समय पर और सटीक जानकारी प्राप्त होती है। इससे संस्थान और अभिभावकों के बीच विश्वास मजबूत होता है। जो संस्थान प्रभावी रूप से तकनीक का उपयोग करते हैं, वे न केवल अपनी नवाचार क्षमता को प्रदर्शित कर पाते हैं, बल्कि संभावित छात्रों और अभिभावकों के साथ दीर्घकालिक संबंध भी स्थापित कर सकते हैं।

वहीं कार्यक्रम के संयोजक ईशा व्यास ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों, भविष्य की शिक्षण पद्धतियों, छात्रों के लिए विकसित हो रहे नए अवसरों तथा कौशल आधारित शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता पर संवाद स्थापित करना है। आज की चर्चा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को भविष्य की चुनौतियों और संभावनाओं को समझने का अवसर प्रदान करेगी।

सेक्टर 73 में सूचीकरण और आवास गणना जोरो पर जन गणना कर्मचारी बहा रहे हैं पसीना लोंगो से सहयोग की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा में

'जनगणना-2027' का पहला चरण (मकान सूचीकरण और आवास गणना) 22 मई से शुरू होकर 20 जून तक होना है । सेक्टर 73 में अधिकारियों ने बताया कि सुबह से लेकर शाम तक घरों में जाकर जानकारी एकत्र कर रहे है। साथ ही मकान में नंबर डालने का काम किया जा रहा है सेक्टर 73 बारात घर में मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि ज्यातर लोग सहयोग कर रहें हैं लेकिन गर्मी के अवकाश के कारण कुछ मकान बन्द है उनसे भी सम्पर्क किया जा रहा है।

पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा बुधवार को 'उदप्रद आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा' की प्रथम पाली की परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता व शुचिता के साथ सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु नगर जोन के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर पुलिस प्रबंध एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया तथा ड्यूटी पर मौजूद समस्त पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं प्रभावी ड्यूटी निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने सरकार के 12 साल के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में प्रेसवार्ता आयोजित की

(आधिक समाचार नेटवर्क) नोएडा भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, उत्तर प्रदेश हाफिज़ रज़ा खान (भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा) सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित

गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में '12 साल बेमिसाल - विकास, विश्वास, जनकल्याण, प्रगति और सुरक्षा' विषय पर चर्चा की गई तथा केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखा गया। इस अवसर पर सैयद अहसान अख्तर (राज्य प्रभारी, जनसंपर्क अभियान, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तर प्रदेश), सुनील भाटी जी (पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष, गौतम बुद्ध नगर), फरहत जी (पूर्व प्रदेश मंत्री, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा बिहार), शेखर झा जी (शक्ति संयोजक, भाजपा गौतम बुद्ध नगर), कविता राजेश जी (कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा ग्रेटर नोएडा मंडल), अविनाश सिंह जी (बूथ अध्यक्ष), सैयद अख्तर आलम जी (पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तर प्रदेश), डॉ. ताहा (फेलिक्स हॉस्पिटल), डॉ. इराम आमिर, मेहरनाज़ (एओए सदस्य, गुलशन विवांते) तथा रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सैयद अहसान अख्तर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, जनकल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ केंद्र सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन तथा अन्य अनेक योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों, विशेषकर अल्पसंख्यक समुदाय तक पहुंचा है। देश आज विश्व मंच पर एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के रूप में स्थापित हुआ है। सैयद अहसान अख्तर ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी की विकासवादी नीतियों पर भरोसा रखती है तथा आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा 320 से अधिक सीटों के साथ पुनः प्रचंड बहुमत प्राप्त करेगी।

शदर विधायक भूपेश चौबे भड़के शिकायतों को जल्द से जल्द निपटाने कि बात कहते हुए जांच के संक्त आदेश दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को देश के प्रधानमंत्री जो भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता के रूप में चरेवेति चरेवेति मंत्र के साथ आगे बढ़ते हुए भारत के प्रधानमंत्री रहने के सबसे अधिक दिन दिवस है वही सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि जीरो टॉलरेंस सरकार की योजना को लेकर जो पहल की जा रही है उसी क्रम में अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प के साथ जिसमें स्वास्थ्य शिक्षा किसान नौजवान सहित विभिन्न विषयों को लेकर जिसमें स्वास्थ्य एक बड़ा विसय है जिसको लेकर भाजपा सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा बुधवार को एनआरएचएम के डीपीएम रिपुंजय श्रीवास्तव पर भड़के कई शिकायत पर निपटने की बात कहते हुए जांच कर संबंधित सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने की कही बात संबंधितों को दिए कड़े हिदायत वही कोन थाना क्षेत्र में ग्लोबल हॉस्पिटल एक व्यक्ति द्वारा डॉक्टर बनकर चलाया जा रहा था जिसके द्वारा बहुत बड़ा अपराध हुआ है रहने वाला वह मिलने झारखंड का है सा विभाग को इसकी जानकारी नहीं थी वहीं लोगों के माध्यम से पता चला कि पहले भी उसके ऊपर कार्रवाई हुई थी फिर कैसे हॉस्पिटल खुल गया उसके मालिक के खिलाफ कठोर दंड दिलाने के लिए मैं संकल्पित हूं वही सीएमओ विभाग के नोडल व संबंधित अधिकारियों से अस्पताल के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई क्या हो रही है संबंध में जानकारी ली गई है इस दौरान सदर विधायक ने कहा डीपीएम द्वारा अगर गड़बड़ झाला किया जा रहा है तो वह जाएगे इसी के साथ चौबे ने कहा कोई भी इस तरह से करेगा वह जाने के लिए तैयार रहेगा प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करना पड़ेगा जो नहीं करेगा वह जाएगा।

भजन संध्या सुनने व रासलीला देखने को उमड़ रही भीड़,वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया

विराट रुद्र महायज्ञ के छठवें दिन शिव मंदिर में किया गया रुद्राभिषेक पूजन,प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी जा रही आहुति,प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण,कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहा है आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में बुधवार को छठवें दिन विराट रुद्र महायज्ञ में पूजन अर्चन कराया गया। इसके साथ ही शिव मंदिर में दूध से रुद्राभिषेक पूजन भी कराया गया। वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया। वहीं भजन संध्या में वाराणसी से आए राष्ट्रीय बाल कलाकार श्री राम कृष्ण, श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण ने एक से बढ़कर एक भजन, गीत व गजल सुनाया। वहीं वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी

गई। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि अयोध्या के महंत कमल नयन दास जी महाराज 12 जून को यज्ञ स्थल पर आएंगे और 13 जून को पूर्णाहुति के बाद जिन कन्याओं की शादी होगी उन कन्याओं को आशीर्वाद देकर जाएंगे। आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा विराट रूद्र महायज्ञ एवं पूजन कार्य कराया जा रहा है। रॉबर्ट्सगंज से आए मुख्य यजमान संजय अग्रवाल उर्फ श्याम जी अग्रवाल व चांदनी अग्रवाल के साथ ही अन्य लोगों को दूध से रुद्राभिषेक पूजन कराया गया। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से प्रतिदिन आहुति दी जा रही है। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और जयकारे लगाए। इस दौरान समूचा यज्ञ स्थल जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में दिनेश, उषा देवी, रूप गुप्ता, देवेंद्र कुमार, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, विमला देवी, दाऊदयाल, विजय सिंह, मनीष कुमार, कृति सागर, शुभराम महाराज, परमानंद, रमेश कुमार, प्रहलाद, रामखेलावन, किरण मोदवाल,, शशि देवी, मानवी,कालो देवी, हीरा सिंह, संगीता, मुन्ना बाबा, राजेश, केवलानंद महाराज आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष पूरे होने पर ब्लॉक प्रमुख ने गर्भवती महिलाओं को वितरित किया पोषण पोटली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को लोढ़ी पंचायत भवन में गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क पोषण पोटली वितरित की गई। कार्यक्रम में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक सामग्री उपलब्ध कराई गई। लोढ़ी पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में विकासखंड राबर्ट्सगंज क्षेत्र की सैकड़ों गर्भवती महिलाएं उपस्थित रहीं। उन्हें सम्मानपूर्वक पोषण पोटली प्रदान की गई तथा संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और पोषण के महत्व की जानकारी दी गई। इस दौरान 'स्वस्थ मां-स्वस्थ शिशु' का संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख सदर, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजीत रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम

स्थापित किए हैं। गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, किसानों के उत्थान, आधारभूत संरचना के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने देश को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार 12 वर्षों तक देश की सेवा करते हुए सबसे लंबे समय तक गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री रहने का गौरव प्राप्त किया है। उनके नेतृत्व में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा महिलाओं के पोषण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसी भावना के तहत गर्भवती महिलाओं को पोषण पोटली वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह ने कहा कि स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु ही स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में सीडीपीओ मृत्युंजय त्रिपाठी, भाजपा जिला मंत्री प्रमिला जायसवाल, पूर्व प्रधान शमशेर बहादुर सिंह, चंद्रकांत पांडे, दयाशंकर पटेल, रवि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सोमा के हमारे परिवारि जनो को जल्द जिलाधिकारी दिलाए पेयजल-संदीप मिश्र

सोमा ग्राम पंचायत में संघर्ष मोर्चा की जन चौपाल, पेयजल संकट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा द्वारा संचालित 'पेड़ है तो प्राण है' अभियान के तहत आज जनपद के सुदूर वनवासी क्षेत्र सोमा ग्राम पंचायत में जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, वन संपदा के संवर्धन तथा सोनभद्र में तेंदुआ सफारी एवं कृषि वानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान ग्रामीणों ने एक स्वर में क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या पेयजल संकट को बताया। ग्रामीणों का कहना था कि सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन एवं हर घर नल योजना के बावजूद आज भी उन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वे आज भी पीने के लिए नाले, नालों और तालाबों के पानी को कपड़े से छानकर उपयोग करने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों की पीड़ा सुनकर मोर्चा संयोजक संदीप मिश्रा ने मौके पर ही जिलाधिकारी सोनभद्र एवं जल निगम के अधिकारियों से वार्ता कर स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि वनवासी क्षेत्रों के लोग स्वच्छ पानी के लिए तरस रहे हैं तो यह शासन-प्रशासन की गंभीर विफलता है। संदीप मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही सोमा ग्राम पंचायत के लोगों को पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई गई तो किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ग्रामीणों के साथ मिलकर कलेक्ट्रेट पर व्यापक जन आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जल निगम एवं जिला प्रशासन की होगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आकाश चौहान, शत्रुघ्न बिंद, विजय चौहान, बिंदु खरवार, मुखलाल चेरो, सुष्मिता धनगर, दिनेश चेरो, नागेंद्र धनगर, आकाश, राज, राधा, कन्हैया लाल सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

भाजपा विधायक राबर्ट्सगंज भूपेश चौबे द्वारा राम जानकी मंदिर पर भी पूजा पाठ व पाठ कर प्रसाद वितरण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भाजपा विधायक राबर्ट्सगंज भूपेश चौबे द्वारा चुर्क स्थित महाकालेश्वर मंदिर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर हरिकिर्तन व पूजन कर कार्यकर्ताओं व आमजनमानस को प्रसाद वितरण करते हुए अंगवस्त्र से सम्मानित किया। व रावटसगंज स्थित राम जानकी मंदिर पर भी पूजा पाठ व पाठ कर प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि नरेंद्र मोदी सबसे अधिक दिनों तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर पर हम सभी कार्यकर्ताओं ने पूजा अर्चना कि है। और कहा कि भारत की आजादी के बाद निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक अवधि तक देश सेवा करने का गौरव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने प्राप्त किया है। उनके नेतृत्व में आज भारत विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए विश्व की अग्रणी शक्तियों में अपना स्थान सुदृढ़ कर रहा है और नंबर वन राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर कार्य करती है। यही कारण है कि संगठन और शासन में समाज के प्रत्येक वर्ग के नेतृत्व को सम्मानजनक अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि मैं पवनपुत्र भगवान हनुमान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी असीम कृपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सदैव बनी रहे और उनके नेतृत्व में राष्ट्र निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित करता रहे। इस मौके पर नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और जनकल्याणकारी के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की है। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू कि गयी है जिनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, पूर्व चेयरमैन कृष्णमुरारी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अजीत रावत, चुर्क मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबेसंजीव श्रीवास्तव, धिरेन्द्र पाण्डेय, अमन वर्मा, सरोज केशरी, अभिषेक गुप्ता, धर्मवीर त्यागी, लालू सोनी, ध्रुवकांत द्विवेदी, अतुल पाण्डेय, बलराम सोनी, रमेश जायसवाल, राजबहादुर पटेल सहित आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी व आमजनमानस मौजूद रहा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

फुटबॉल वर्ल्डकप में अमेरिका पर भेदभाव के आरोप,रेफरी को वापस भेजा, रन-वे पर खिलाड़ियों की जांच, डॉग स्क्वॉड बुलाया, फैन बोले- अपराधियों सा बर्ताव

वॉशिंगटन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले अमेरिका पर भेदभाव के आरोप लग रहे हैं। कि अतिरिक्त जांच के बाद उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। इस फैसले को सोमालिया के (एफएफआईआरआई) ने आरोप लगाया कि फीफा विश्व कप के लिए उसके लिए रिजर्व टिकटों

विवाद तब बढ़ा, जब सेनेगल, उज्बेकिस्तान और सोमालिया से जुड़े खिलाड़ियों व अधिकारियों को रनवे पर ही कड़ी जांच की गई। ड्रग्स की जांच के लिए डॉग स्क्वॉड भी बुलाया गया। इन घटनाओं के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है। विवाद उस समय और बढ़ गया, जब सोमालिया के रेफरी उमर आर्टन को वैध अमेरिकी वीजा होने के बावजूद मियामी एयरपोर्ट से वापस भेज दिया गया। आर्टन वर्ल्ड कप में रेफरी की जिम्मेदारी निभाने वाले पहले सोमाली अधिकारी बनने वाले थे। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा खेल मंत्रालय ने खेल भावना के खिलाफ बताया है। यूजर्स बोले- फीफा चुप क्यों है- कई यूजर्स ने फीफा पर भी आरोप लगाया कि विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा उन देशों के खिलाड़ियों के साथ हुए अपमानजनक व्यवहार पर चुप है। जांच से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि क्या यह व्यवहार सभी टीमों के साथ समान था। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- क्या किसी श्वेत टीम के साथ भी ऐसा हुआ, या यह व्यवहार केवल सेनेगल के लिए था? यह अजीब है। ईरानी फुटबॉल संघ से रिजर्व टिकट वापस लिए-ईरान के फुटबॉल महासंघ का हिस्सा वापस ले लिया गया।इससे उन ईरानी प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है जिन्होंने पहले ही यात्रा की बुकिंग कर ली थी, लेकिन अब वे अपनी टीम के मैच नहीं देख पाएंगे। ईरान का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 जून को होगा। इसके बाद टीम 22 जून को बेल्जियम और 27 जून को इजिप्ट से भिड़ेगी। ईरानी महासंघ ने कहा- ईरानी समर्थकों को टिकट कोटे से वंचित करना खेल भावना और समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। फीफा वर्ल्डकप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी और 104 मैच खेले जाएंगे।

दावा-इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स संन्यास ले सकते हैं.लॉर्ड्स टेस्ट की जीत के बाद नाइटक्लब विवाद में नाम आया; दूसरे टेस्ट से बाहर

नयी दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से 'मुझे जो भी जानकारियां मिल रही हैं, उससे डर है कि स्टोक्स ईसीबी की कार्रवाई से पहले ही खुद कदम उठाएंगे। बेहद दुख यह घटना इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि रविवार को ही इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में 115 रनों से हराया था। मैच के

संन्यास (रिटायरमेंट) का ऐलान भी कर सकते हैं। ब्रिटिश मीडिया आउटलेट टॉकस्पोर्ट की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। यह डेवलपमेंट लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर इंग्लैंड की 115 रनों की जीत के तुरंत बाद सोमवार तड़के हुए एक नाइटक्लब विवाद के बाद सामने आया है। इस विवाद में कप्तान बेन स्टोक्स के साथ टीम के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी शामिल थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के आरोप में दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। बोर्ड की कार्रवाई का इंतजार नहीं करेंगे स्टोक्स, खुद ले सकते हैं फैसला-क्रिकेट वेबसाइट 'द क्रिकेटर' के सीनियर कॉरेस्पोंडेंट जॉर्ज डोबेल ने टॉकस्पोर्ट से बातचीत में बताया कि स्टोक्स अनुशासन समिति के फैसले का इंतजार करने के बजाय खुद ही पीछे हटने का मन बना रहे हैं। डोबेल ने कहा, के साथ कहना पड़ रहा है कि मैं सुन रहा हूं कि वे कप्तानी से इस्तीफा दे सकते हैं और संभवतः क्रिकेट से संन्यास भी ले सकते हैं। 'न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर रहेंगे दोनों खिलाड़ी-विवाद के बाद ईसीबी ने एक बयान जारी कर कहा,'बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब में मौजूद थे, जहां यह घटना हुई। हम मामले से जुड़ी और जानकारी जुटा रहे हैं। दूसरे टेस्ट के लिए टीम का ऐलान जल्द ही किया जाएगा।' 17 जून से द ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम की घोषणा में देरी हो रही है। बोर्ड फिलहाल बेन स्टोक्स के फैसले का इंतजार कर रहा है। हालांकि, यह साफ हो चुका है कि स्टोक्स और एटकिंसन दोनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज के बचे हुए मैचों का हिस्सा नहीं होंगे। लॉर्ड्स टेस्ट की जीत के कुछ ही घंटों बाद हुआ विवाद- आखिरी दिन गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट झटके थे और जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी, वहीं स्टोक्स को भी एक विकेट मिला था। इस शानदार जीत का जश्न मनाने के लिए ही खिलाड़ी रात में बाहर गए थे, जहां रग्बी क्लब के खिलाड़ियों के साथ उनकी बहस हो गई। 'मिडनाइट कर्फ्यू' के नियमों का उल्लंघन भारी पड़ा- इंग्लैंड के खिलाड़ियों का मैदान से बाहर का व्यवहार पिछले कुछ समय से ईसीबी के लिए सिरदर्द बना हुआ है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज दौरे के दौरान भी खिलाड़ियों के देर रात तक पार्टी करने और शराब से जुड़े अनुशासनात्मक मामलों पर भारी आलोचना हुई थी। इसके बाद ईसीबी ने टीम के लिए 'मिडनाइट कर्फ्यू' (आधी रात के बाद बाहर न रहने का नियम) दोबारा लागू किया था। स्टोक्स और एटकिंसन की ओर से इस कड़े प्रोटोकॉल को तोड़ना बोर्ड को नागवार गुजरा है।

एशियन गेम्स 2026 के लिए पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम घोषित, साहिबजादा फरहान बने कप्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने आगामी एशियन गेम्स 2026 के इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। इनमें आकिफ जावेद, अली

लिए अपनी 15 सदस्यीय पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के मुताबिक, इस बार पाकिस्तानी टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है। अनुभवी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि दाएं हाथ के बल्लेबाज अब्दुल समद को उप-कप्तान बनाया गया है। इस स्क्वॉड में चार ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अब तक कोई रजा, माज सदाकत और साद मसूद शामिल हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का पूरा स्क्वॉड साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उप-कप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रजा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साद मसूद, सईम अयूब, सुफियान मुकीम और उस्मान खान।

डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें घरेलू उपचार, बचाव के 8 तरीके, कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप, उमस और पसीने से स्किन पर खुजली, लाल दाने या रैशेज हो जाते हैं। लोग इसे हल्की समस्या मानकर नजरअंदाज कर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- हीट रैश क्या होता है? जवाब- हीट रैश एक कॉमन स्किन प्रॉब्लम है। यह फंगल इन्फेक्शन तीनों में स्किन पर दाने के साथ खुजली हो सकती है, लेकिन इनके कारण अलग होते हैं। तीनों को एक-एक करके समझते हैं- हीट रैश,

देते हैं। कई बार ये हीट रैश यानी घमौरियां हो सकती हैं। स्किन पर स्वेट डक्ट्स होते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। इनके ब्लॉक होने पर पसीना स्किन के अंदर ही फंस जाता है। इससे हीट रैश होता है। से होता है। इसे 'प्रिकली हीट', 'स्वेट रैश' या 'मिलियारिया' भी कहा जाता है। सवाल- हीट रैश क्यों होता है? जवाब- पसीने को स्किन की सरफेस तक पहुंचाने वाली डक्ट ब्लॉक होने पर हीट रैश होता है। इससे पसीना हीट रैश ज्यादा गर्मी और पसीने की वजह से होता है। स्किन डक्ट्स में पसीना फंसने पर छोटे लाल दाने हो जाते हैं या चुभन महसूस होती है। यह अक्सर गर्दन, पीठ, आर्म पिट (बगल) या जांघों पर होता है। एलर्जी- दाने, लगातार खुजली होती है। स्किन छिल भी सकती है। सवाल- हीट रैश शरीर के किन हिस्सों में ज्यादा होता है? जवाब- यह उन हिस्सों में होता है, जहां हवा कम लगती है या स्किन आपस में रगड़ती है। खासकर वे हिस्से जो कपड़ों से ढके रहते हैं या जहां पसीना ज्यादा जमा होता है। ये बच्चों और वयस्कों में अलग अलग जगहों पर होता है- बच्चों में- आर्म पिट्स (बगल) कोहनी के अंदर की सिलवटें गर्दन-ग्रोइन या डायपर वाला हिस्सा, गर्दन का निचला हिस्सा और पीठ,वयस्कों में- हाथ, पीठ, चेस्ट (महिलाओं में ब्रेस्ट के नीचे), जांघों के बीच इन हिस्सों में पसीना ज्यादा जमा होने से स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाते हैं। इससे हीट रैश होता है। सवाल- क्या टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ सकता है?जवाब- हां, टाइट कपड़ों से एयर फ्लो रुक जाता है। इससे स्किन तक हवा नहीं पहुंच पाती। इसके चलते पसीना ज्यादा होता है, देर से सूखता है। यही वजह है कि टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ जाता है। सवाल- क्या सकती हैं? जवाब- हां, कुछ हेल्थ कंडीशंस हीट रैश होने के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पॉइंटर्स से समझिए-डायबिटीज डायबिटीज में ब्लड शुगर ज्यादा रहने से स्किन की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। इससे स्किन में इन्फेक्शन और सूजन का रिस्क बढ़ जाता है, जिससे रैश जल्दी हो सकते हैं। डायबिटिक लोगों को ज्यादा पसीना आता है, जिससे हीट रैश का रिस्क बढ़ सकता है। ओबिसिटी-वजन ज्यादा होने पर स्किन की सिलवटें (स्किन फोल्ड्स) बढ़ जाती हैं। इसलिए जांघों, पेट या आर्म पिट्स (बगल) में हीट रैश के लक्षण ज्यादा दिखते हैं। मोटापे के कारण बॉडी को हीट कंट्रोल करने में समस्या होती है। इससे पसीना ज्यादा बनता है और हीट रैश का खतरा बढ़ जाता है। स्किन कंडीशन, कुछ स्किन डिजीज में स्किन सेंसिटिव हो जाती या सूजन हो जाती है। इससे स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाती हैं। ऐसी स्किन पर गर्मी और पसीना होने से रैश जल्दी बन सकते हैं। सवाल- हीट रैश का घरेलू इलाज क्या है? जवाब- कुछ आसान घरेलू उपाय जलन, खुजली कम करने में मदद कर सकते हैं। जैसे- ठंडी पट्टी: प्रभावित हिस्से पर 5-10 मिनट तक ठंडे पानी में भीगे कपड़े की पट्टी रखें या बर्फ पर कपड़ा लपेटकर लगाएं। यह सूजन और खुजली कम करने में मदद कर सकता है। एलोवेरा: एलोवेरा जेल लगाने से स्किन को ठंडक मिलती है। इससे जलन व सूजन कम हो सकती है। खीरा: फ्रिज में रखी खीरे की स्लाइस प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे स्किन को ठंडक मिलती है और जलन कम हो सकती है। चंदन पाउडर: चंदन पाउडर में पानी मिलाकर पेस्ट बनाकर लगाएं। इससे जलन और सूजन कम करने में मदद मिल सकती है। नीम: नीम के पत्तों का पेस्ट या नीम का तेल लगाएं। इससे स्किन को आराम मिलता है, क्योंकि इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं।सवाल- कितने दिनों तक हीट रैश ठीक न हो तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- आमतौर पर हीट रैश 2-3 दिनों में ठीक हो जाते हैं। इन कंडीशंस में डॉक्टर से कंसल्ट करें- अगर दाने 3-4 दिनों से ज्यादा समय तक बने हुए हैं। बुखार, दर्द, पस और सूजन जैसे लक्षण दिख रहे हैं। गर्मी में होने वाला हीट रैश स्किन के ओवरहीट और केयर की कमी का संकेत है। थोड़ी सावधानी बरतकर इससे बचा जा सकता है।

इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हीट रैश की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- हीट रैश क्यों होता है? इसके क्या लक्षण हैं? हीट रैश के घरेलू उपाय क्या हैं? साथ ही विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली स्किन के अंदर जमा होने लगता है। यह दाने या रैशेज के रूप में बाहर निकलता है। हीट रैश में स्किन पर छोटे-छोटे दाने निकलते हैं। ये गर्मी में असहजता बढ़ाते हैं। सवाल- हीट रैश और एलर्जी या फंगल इन्फेक्शन में क्या फर्क होता है? जवाब- हीट रैश, एलर्जी और एलर्जी आमतौर पर साबुन, कॉस्मेटिक, मेडिसिन या फूड के रिएक्शन से होती है। इसमें लाल चकत्ते, सूजन और तेज खुजली होती है। फंगल इन्फेक्शन- ये फंगस के कारण होता है। आमतौर पर आर्म पिट (बगल), जांघों पर या पैरों की उंगलियों के बीच होता है। इसमें गोल पर्सनल हाइजीन का ख्याल न रखने से भी हीट रैश बढ़ सकता है? जवाब- हां, अगर रोज नहीं नहाते हैं, पसीने से भीगे कपड़े लंबे समय तक पहने हुए हैं, साफ सफाई नहीं रखते हैं तो हीट रैश बढ़ सकता है। सवाल- क्या

हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर,फिटनेस टेस्ट के दौरान लगी चोट,एक दिन पहले ही फिट घोषित किया गया था

नयी दिल्ली। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे अपनी पूरी क्षमता देखने के लिए मैदान पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी की। माना जा रहा है कि लंबे अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार, 13 जून को

सीरीज से बाहर हो गए हैं। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में मंगलवार को फिटनेस टेस्ट पास करने के कुछ ही घंटों बाद हार्दिक को जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) आ गया। सीरीज 13 जून से शुरू हो रही है। 32 साल के हार्दिक आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए पीठ की जकड़न का शिकार हो गए थे। वे इसी चोट से उबरकर फिटनेस क्लियरेंस सर्टिफिकेट लेने बेंगलुरु पहुंचे थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि अब नई चोट की वजह से उन्हें रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए कम से कम तीन हफ्ते का समय लगेगा, जिसके चलते वे आगामी सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। फिटनेस असेसमेंट में 10 ओवर बॉलिंग करना भारी पड़ा- जानकारी के अनुसार, हार्दिक पंड्या बेंगलुरु में फिटनेस टेस्ट के आखिरी दौर में थे। असेसमेंट के दौरान उन्होंने ब्रेक के बाद अचानक बॉलिंग का पूरा कोटा डालने के कारण ही उनकी जांघ की मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और वे नई चोट का शिकार हो गए। मंगलवार को रोहित-हार्दिक ने फिटनेस टेस्ट पास किया था- मंगलवार को न्यूज एजेंसी एएनआई ने खबर दी की भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार से शुरू होने वाली 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी खेलेंगे। दोनों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे। रोहित आईपीएल के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं, हार्दिक पंड्या पीठ की जकड़न की वजह से परेशान थे। दोनों मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए चोटिल हुए थे। दोनों को वनडे सीरीज के लिए सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया था। शनिवार से शुरू हो रही है सीरीज, लखनऊ और चेन्नई में भी मुकाबले-भारत और धर्मशाला में खेला जाएगा। सीरीज के बाकी दो मैच 17 जून को लखनऊ और 20 जून को चेन्नई में होंगे। हार्दिक ने आईपीएल 2026 के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए कुछ मैच मिस किए थे, लेकिन वे 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम के आखिरी मुकाबले में मैदान पर लौटे थे। कोहली पहले ही सीरीज से बाहर हो चुके-विराट कोहली हैमस्ट्रिंग यानी जांघ की मसल्स में खिंचाव की वजह से टीम से बाहर हो चुके हैं। इस साल गुजरात के खिलाफ IPL फाइनल खेलते हुए उनकी जांघ में खिंचाव आया था। अफगानिस्तान के लिए टीम घोषित करते के समय चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने बताया था कि कोहली की रिकवरी का सही समय अभी तय नहीं है। इंग्लैंड वनडे सीरीज तक वह फिट हो सकते हैं, लेकिन यह पक्का नहीं है। कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल को अफगानिस्तान सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

हैकिंग को रूटीन बना देना एआई की 'बुद्धिमत्ता' नहीं कहला सकती

एआई कम्पनी एंथ्रोपिक ने हाल ही में अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल की नवीनतम सेवा क्लॉड माइथोस प्रिव्यू को जारी किया, लेकिन यह केवल 40 बड़ी टेक-कंपनियों के सीमित समूह के लिए होगा। यह नया मॉडल परफॉर्मेंस में बुनियादी बदलावों का दावा करता है, जिसके साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरे प्रभाव हो सकते हैं। क्लॉड माइथोस के डेवलपमेंट के दौरान एंथ्रोपिक ने पाया कि यह न केवल किसी भी मॉडल की तुलना में अधिक जटिलता और आसानी से सॉफ्टवेयर कोड लिख सकता है, बल्कि अपनी इस क्षमता के चलते यह दुनिया के लगभग सभी प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टमों में व्याप्त कमजोरियों को भी पहले की तुलना में अधिक आसानी से खोज सकता है। लेकिन अगर यह टूल गलत हाथों में चला गया, तो वे दुनिया के लगभग हर प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टम- यहां तक कि इस समूह में शामिल कंपनियों द्वारा बनाए सिस्टमों को भी हैक कर सकते हैं। यह कोई पब्लिसिटी-स्टंट नहीं है। इस घोषणा से पहले, प्रमुख टेक-कंपनियों के प्रतिनिधि ट्रम्प प्रशासन के साथ निजी तौर पर इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि इसका उन देशों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा, जो इन असुरक्षित सॉफ्टवेयर प्रणालियों का उपयोग करते हैं। एंथ्रोपिक ने अपने एक लिखित बयान में कहा कि पिछले केवल एक महीने में ही माइथोस प्रिव्यू ने हजारों गंभीर कमजोरियों की पहचान की है। ये हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में शामिल हैं। एआई जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर ऐसी क्षमताओं का व्यापक होना अब दूर नहीं है। और संभव है कि वे उन पक्षों से भी आगे फैल जाएं, जो इन्हें सुरक्षित रूप से उपयोग करने की बात करते हैं।सुपर-इंटेलिजेंट एआई अपेक्षा से कहीं तेजी से सामने आ रहा है। यह तो पहले से स्पष्ट था कि एआई किसी भी व्यक्ति- चाहे उसकी कम्प्यूटर साक्षरता का स्तर कुछ भी हो- को सॉफ्टवेयर कोड लिखने में असाधारण रूप से सक्षम बना रहा है। लेकिन बताया जाता है कि स्वयं एंथ्रोपिक ने भी यह अनुमान नहीं लगाया था कि यह इतनी जल्दी, इतनी दक्षता के साथ, मौजूदा कोड में खामियों को खोजने और उनका दोहन करने के तरीकों को पहचानने में सक्षम हो जाएगा। क्लॉड माइथोस ने हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में गंभीर कमजोरियों की पहचान की है- ये ऐसे सिस्टम हैं, जिन पर दुनिया भर में बिजली ग्रिड, जल आपूर्ति तंत्र, एयरलाइन आरक्षण प्रणालियां, रीटेलिंग नेटवर्क, सैन्य प्रणालियां और अस्पताल निर्भर हैं। यदि यह टूल व्यापक रूप से उपलब्ध हो जाता है, तो इसका अर्थ होगा कि किसी भी प्रमुख बुनियादी ढांचे की प्रणाली को हैक करने की क्षमता- जो पहले केवल निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों तक सीमित ?थी और जो एक कठिन और महंगा कार्य था- अब हर आपराधिक तत्व, आतंकी संगठन, देश के लिए सुलभ हो सकती है। इस समस्या का समाधान दुनिया का कोई भी देश अकेले नहीं कर सकता। शुरुआत दो एआई महाशक्तियों- अमेरिका और चीन को करनी होगी। यह बहुत जरूरी हो गया है कि वे आपस में सहयोग करना सीखें, ताकि बुरी ताकतें इस साइबर क्षमता तक पहुंच न बना सकें। यह उतना ही बुनियादी महत्व का है, जितना एटमी हथियारों के बाद परमाणु अप्रसार संधियां थीं। जटिल साइबर हैकिंग अभियानों को विकसित करने की जो क्षमता पहले बड़े देशों, सेनाओं, कंपनियों और बड़े बजट वाले आपराधिक संगठनों तक सीमित थी, वह अब छोटे समूहों को भी उपलब्ध हो सकती है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वे केवल जिम्मेदार हाथों तक ही सीमित रहें। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से,थॉमस एल. फ्रीडमैन)

न्यायाधीश को सियासी दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

इस वर्ष की शुरुआत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में ट्रायल कोर्ट ने इस आधार पर आरोपमुक्त कर दिया कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। इस फैसले को सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान मामले ने तब अप्रत्याशित मोड़ लिया, जब केजरीवाल ने एक आवेदन दायर कर यह मांग की कि सुनवाई कर रही जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा इस मामले से स्वयं को अलग कर लें, क्योंकि उन्हें पक्षपात की आशंका है। यद्यपि इस आवेदन को खारिज कर दिया गया, लेकिन यह घटना एक परिचित प्रश्न को फिर सामने लाती है- आखिर किसी जज को कब किसी मामले की सुनवाई से अलग होना चाहिए? भारत में रीक्यूजल (स्वयं को अलग करने) का कानून अपेक्षाकृत स्पष्ट है, भले ही उसके प्रयोग पर अकसर बहस होती रहती हो। इसका मूल परीक्षण यह है कि क्या एक सामान्य, समझदार व्यक्ति के मन में पक्षपात की आशंका उत्पन्न होती है। यह कोई हल्का मानदंड नहीं है। अदालतों ने लगातार यह कहा है कि ऐसी आशंका ठोस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल अस्पष्ट संदेह या राजनीतिक असहमति पर। समय के साथ कुछ सीमित और स्पष्ट आधार विकसित हुए हैं- जैसे आर्थिक हित, उसी मामले में पूर्व भागीदारी, या किसी पक्ष के साथ निकट व्यक्तिगत संबंध। इनसे परे, विशेषकर वैचारिक या संस्थागत पक्षपात के आरोपों में, मापदंड काफी ऊंचा होता है। अकसर देखा गया है कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लेते हैं। गुजरात और इलाहाबाद उच्च न्यायालयों में राहुल गांधी से जुड़े कई मामलों में न्यायाधीशों ने बिना कारण बताए स्वयं को अलग किया है। कई बार इसे न्यायाधीश का अपने दायित्व से विमुख होना भी माना गया। लेकिन केजरीवाल के मामले में स्थिति उलट थी। यहां न्यायाधीश सुनवाई के लिए तैयार थे, परंतु पक्षकार को आपत्ति थी। रीक्यूजल आवेदन में कई आधार प्रस्तुत किए गए- जैसे न्यायाधीश द्वारा पहले दिए गए आदेश, कुछ तकनीकी आपत्तियां और न्यायाधीश के परिजनों का सरकारी पेनलों में शामिल होना। अदालत ने इन तर्कों को इस आधार पर खारिज कर दिया कि वे पक्षपात की आशंका स्थापित नहीं करते। अदालत का यह निर्णय उचित था- किसी भी न्यायिक निर्णय में एक पक्ष संतुष्ट होगा और दूसरा असंतुष्ट। हारने वाला पक्ष यह तय नहीं कर सकता कि वह उसी न्यायाधीश के सामने पेश नहीं होगा। यही बात न्यायाधीश के परिजनों के पेशेवर जीवन पर भी लागू होती है। सबसे विवादास्पद तर्क वैचारिक निकटता से जुड़ा था। यह कहा गया कि जस्टिस शर्मा ने अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया है, जो एक ऐसा संगठन है, जिसकी वैचारिक दिशा याचिकाकर्ता और उनकी राजनीतिक पार्टी के विपरीत है। भारत में संवैधानिक परंपरा ने कभी भी केवल वैचारिक या राजनीतिक संबद्धता को रीक्यूजल का आधार नहीं माना है। इस संदर्भ में जस्टिस वीआर कृष्ण अय्यर का उदाहरण महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति से पहले वे कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े रहे थे और केरल सरकार में कानून मंत्री भी थे। उस समय यह आशंका जताई गई थी कि उनकी विचारधारा उनके निर्णयों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन उनके कार्यकाल ने सिद्ध किया कि पूर्व वैचारिक जुड़ाव अपने आप में न्यायिक पक्षपात में परिवर्तित नहीं होता। उन्होंने मजदूरों, कैदियों, महिलाओं और बच्चों जैसे वंचित वर्गों के अधिकारों पर कई प्रगतिशील फैसले दिए। इससे यह सिद्धांत और मजबूत होता है कि जज बनने के बाद न्यायाधीश कानून से बंधा होता है। यही सिद्धांत उन आरोपों पर भी लागू होता है जो सार्वजनिक मंचों में भागीदारी के आधार पर लगाए जाते हैं। केवल इस आधार पर कि किसी न्यायाधीश ने किसी विशेष संगठन के कार्यक्रम में भाग लिया है- जो कि न्यायिक समुदाय में असामान्य नहीं है- पक्षपात की उचित आशंका नहीं मानी जा सकती। इसके लिए यह दिखाना आवश्यक है कि उस भागीदारी और विवादित मामले के बीच कोई स्पष्ट और प्रत्यक्ष संबंध है। यदि सामान्य वैचारिक जुड़ाव ही रीक्यूजल का आधार बन जाए, तो संवैधानिक निर्णय असम्भव हो जाएंगे। यह घटना न्यायपालिका को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की बढ़ती प्रवृत्ति को भी दर्शाती है। राजनीतिक मुद्दों पर संघर्ष सड़कों और संसद में होना चाहिए, अदालतों में नहीं। पक्षकारों को समझना चाहिए कि बार-बार रीक्यूजल की मांग न्याय प्रणाली को प्रभावित करती है। वहीं न्यायाधीशों को भी अब अपने शब्दों और आचरण के प्रति जिम्मेदार रहना होगा। (ये लेखकों के अपने विचार हैं,अर्घ्य सेनगुप्ता और स्वप्निल त्रिपाठी)

किसी के लिए उम्मीद ही सबसे अच्छा गिफ्ट हो सकता है

सुगि अमाया (29) की कहानी किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि एक सन्नाटे के साथ शुरू हुई। जुलाई 2022 में उनका संसार बिखर गया, जब उनके 24 साल के भाई एलेक्सिस को पापा जॉन्स पिज्जेरिया से लेट-नाइट शिफ्ट करके लौटते वक्त पुलिस ने पकड़ लिया। आरोप एल-साल्वाडोर का वही जाना-पहचाना था- गैंग से जुड़ाव। किसी ट्रायल और कानूनी रास्ते के बगैर ही एलेक्सिस को वो जेल सिस्टम निगल गया, जो पूरे देश के लिए पुलिसिया जाल बन चुका था।यह सेंट्रल अमेरिका के सबसे छोटे देश एल-साल्वाडोर की हकीकत है। 2022 की शुरुआत में हत्याओं में तेज बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने आपातकाल लगा दिया। जो कदम अपराध के खिलाफ शुरू हुआ, धीरे-धीरे ऐतिहासिक सख्ती में बदल गया। आज इस देश में दुनिया की सर्वाधिक कारावास दर है, जहां कार्रवाई की शुरुआत से अब तक 91 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। यह वयस्क आबादी का करीब 2फीसदी है। मानवाधिकार संगठनों ने चेताया है कि 'अरेस्ट कोटा' के चलते पुलिस गरीबों को निशाना बना रही है। एलेक्सिस जैसे लोगों को अकसर सिर्फ टैटू या अनजान सूचना के आधार पर पकड़ लिया जाता है। नतीजतन, इस देश में बहुत बड़ा विरोधाभास है। आंकड़ों में तो एल-साल्वाडोर दुनिया के सबसे हिंसक देशों में से एक से बदलकर पश्चिमी गोलार्ध के सबसे सुरक्षित देशों में शामिल हो गया। लोग नई आजादी की बात करते हैं- मसलन, रात में बेखौफ चल पाना या बिना वसूली के दुकान चला पाना। लेकिन इस सुरक्षा की भयानक कीमत पीछे छूट गए परिवारों को चुकानी पड़ी है। बुनियादी सुविधाओं की किल्लत वाली और भीड़ भरी जेलों में बंद रिश्तेदारों के लिए खाना और दवाएं जुटाना गरीबों के जीवन का संघर्ष बन गया है। एलेक्सिस की गिरफ्तारी के बाद सुगि का जीवन राजधानी सैन-साल्वाडोर के एक कन्वर्टेड मूवी थिएटर के बाहर के फर्श तक सिमट गया है। यह जगह जटिल जेल सिस्टम में आने-जाने वालों के लिए ठहराव स्थल है। जेल की दीवारों की छांव अब सुगि का दूसरा घर बन गई है। भाई की गैरमौजूदगी की इस रिक्तता में कड़वाहट उनके मन में आ सकती थी। लोहे के इन दरवाजों में उन्हें सिर्फ दुश्मन ही दिख सकते थे। लेकिन उन्होंने इनमें एक आईना देखना चुना। बच्चों को अपनी मां के पास छोड़कर सुगि रात भर इंतजार करती हैं। एल-साल्वाडोर में कैदियों की रिहाई बहुत कम और अकसर बिना सूचना के तड़के ही होती है। तब कोई रिश्तेदार कागजों पर साइन करने के लिए न हो तो कैदी वापस भीतर भेज दिया जाता है। इसे रोकने के लिए सुगि अजनबियों के लिए वहां रहती हैं। वह बिना किसी सोच-विचार के एक साफ शर्ट और जूते लेकर रिहा हुए लोगों के पास जाती हैं और रिलीज फॉर्म पर साइन करती हैं। धीरे से कहती हैं, 'अब आप ठीक हैं।' सुगि की आवाज उन्हें फिर से जिंदगी से जोड़ती है। जरूरतमंदों को वह घर जाने का किराया देती हैं और जिनके पास कोई जगह नहीं, सुगि का छोटा-सा घर ही ठिकाना होता है- जहां गर्म खाने और बिस्तर से उनका 'क्रिमिनल' का टैग धुल जाता है। जब लोग पूछते हैं कि वे अनजान लोगों के लिए क्यों गंदगी में रातें बिताती हैं, तो सुगि को एलेक्सिस याद आता है। उनकी उम्मीद किसी चक्र जैसी है। उन्हें भरोसा है कि अजनबियों के साथ सम्मान से पेश आकर वे दुनिया में इतनी रोशनी फैला रही हैं, जो उस अंधेरी कोठरी तक पहुंचेगी, जहां उनका भाई है। वे ऐसी दुनिया बना रही हैं, जिसमें वे चाहती हैं कि उनका भाई लौटे। आज सुगि का मिशन बढ़ चुका है। पूरे अमेरिका महाद्वीप से परिवार उन्हें मदद भेजते हैं। जिनकी उन्होंने मदद की थी, वे इसमें योगदान दे रहे हैं।

अब वे कानून की छात्रा हैं, लेकिन उनका 'फुल-टाइम जॉब' दूसरों के लिए जेल सिस्टम से जूझना ही है। फंडा यह है कि अजनबियों को बचाने के इस काम में सुगि ने खुद को निराशा से बचा लिया और साबित किया कि उम्मीद बांटी जाए तो यह सबसे ताकतवर तोहफा बन जाती है। (एन. रघुरामन)

युद्ध को लेकर ट्रम्प के पास अब समय कम ही बचा है

अमेरिका-ईरान युद्ध को चलते अब दो माह हो गए। वेनेजुएला के अनुभव से अति-उत्साहित होकर अमेरिका ने सोचा था कि ईरान पर अचानक हमला और उसके सर्वोच्च नेता समेत शीर्ष अधिकारियों की हत्या की के दो विकल्प थे। पहला, मिलिट्री एस्केलेशन यानी ईरानी जमीन पर सैनिक भेजना और ईरानी ढांचों पर हमले। और दूसरा, कूटनीतिक समझौता। ट्रम्प ने दूसरा रास्ता चुनते हुए ईरान को बड़ी आर्थिक रियायतों की पेशकश की है। बदले की राह का अनुमान लगाया जा सकता है। अमेरिका संभवतः सैनिक नहीं भेज कर बातचीत ही जारी रखेगा। ट्रम्प शैली के अनुसार इसमें कुछ धमकियां होंगी, कुछ बमबारी संभव है। लेकिन अमेरिका के लिए समय वैज्ञानिक ज्ञान और मानव पूंजी को समाप्त नहीं किया जा सकता। इतिहास गवाह है कि जो देश परमाणु हथियार चाहते हैं, वे जैसे-तैसे पा ही लेते हैं। ज्यादा से ज्यादा अमेरिका-इजराइल इसे कुछ समय टाल सकते हैं। इसी रणनीति से युद्ध कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा। लेकिन रणनीति सफल नहीं हुई। ईरान में सत्ता परिवर्तन हुआ, लेकिन अब वहां इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का शासन चल रहा है। ईरान में दो समानांतर सैन्य ढांचे हैं। 'आर्तेश' नियमित सेना के तौर पर परंपरागत प्रतिरक्षा का जिम्मा संभालती है, जबकि आईआरजीसी का काम क्रांति की रक्षा करना है। एक सेना राष्ट्रपति के जरिए सर्वोच्च नेता को रिपोर्ट करती है, जबकि दूसरी सीधे उन्हीं को। अमेरिका-इजराइल की शुरुआती बमबारी के बाद 'बंधक संकट' सामने आया। ईरान ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों और हॉर्मुज स्ट्रेट को एक तरह से बंधक बना लिया। इस स्थिति से निपटने में उसके संवर्धित यूरेनियम भंडार सौंपने और हॉर्मुज को खोलने की मांग की है। ट्रम्प के दावों के विपरीत ईरान ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उसे लगता है कि वे भरोसे लायक नहीं और उनकी मांग ईरान के आत्मसमर्पण जैसी है। अमेरिका जो पेशकश कर रहा है, वह 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) और उन प्रस्तावों से भी बदतर है, जो युद्ध से पहले ओमान की मध्यस्थता वाली बातचीत में ?दिए गए थे। ईरान को यह भी लगता है कि अब इसे स्वीकार करने की बाध्यता नहीं, क्योंकि सत्ता परिवर्तन तो वह झेल ही चुका है। साथ ही उसने यह भी जान लिया है कि हॉर्मुज स्ट्रेट बंद करना आर्थिक युद्ध में बेहद प्रभावी हथियार है। फिलहाल आगे अब हाथ से निकल रहा है। हमले शुरू करने से पहले अमेरिका को यह समझना चाहिए था कि सैन्य अभियान से क्या हासिल हो सकता है। सैन्य क्षमता के लिहाज से ईरान अमेरिका का मुकाबला नहीं कर सकता, लेकिन उसके पास बैलिस्टिक मिसाइलों और प्रॉक्सी नेटवर्क जैसी अहम क्षमताएं हैं। अमेरिका को यह भी पता होना चाहिए ?था कि इस्लामिक शासन की आंतरिक एकजुटता और संगठित विपक्ष के अभाव के चलते वहां सत्ता परिवर्तन आसान नहीं। साथ ही, इसके लिए जमीनी सैन्य अभियान जरूरी है, जो अमेरिका चाहता नहीं था। अमेरिका-इजराइल के सैन्य हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान जरूर पहुंचाया है, लेकिन इससे तरह, ईरान के मिसाइल और ड्रोन के जखीरे को कम किया जा सकता है, लेकिन खत्म करना मुश्किल है। खासकर, इस हथियार कार्यक्रम को सपोर्ट करने वाले तकनीकी ज्ञान और औद्योगिक ढांचे को। सच तो यह है कि अमेरिका-इजराइल ने खामेनेई एवं अन्य नेताओं की हत्या करके बड़ी गलती कर दी। अब ट्रम्प खुद ही कह रहे हैं कि ईरान में नेतृत्व बिखरा हुआ है और बातचीत के लिए कोई है ही नहीं। संघर्ष विराम बढ़ाने और समुद्री नाकेबंदी कड़ी करने से अमेरिका को समय मिल सकता है, लेकिन इससे ईरान झुकेगा नहीं। नाकेबंदी का असर दिखने में महीनों लग सकते हैं। ट्रम्प में इतना धैर्य नहीं। नवंबर में चुनाव भी हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं, मनोज जोशी)

मोदी ने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा-लगातार सबसे ज्यादा दिनों से इलेक्टेड पीएम

नयी दिल्ली। नवंबर में खुदरा महंगाई दर गिरकर 0.71फीसदी पर आई। वहीं, नवंबर में बेरोजगारी दर कम होकर 4.7फीसदी रही, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर था। भारत की जीडीपी का कुल वैल्यूएशन तब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (करीब रु350 लाख करोड़) हो गया था। इंटरनेशनल मॉनिटरिंग फंड ने अनुमान लगाया था कि जापान को पीछे छोड़ने के बाद अगले 2.5 से 3 साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा और साल 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर (रु655 लाख करोड़) की इकोनॉमी के साथ दुनिया में तीसरे नंबर पर आ जाएगा। 1 जुलाई 2015: डिजिटल इंडिया: सरकार ने देश में इंटरनेट और ऑनलाइन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल इंडिया अभियान शुरू किया। इसके बाद ऑनलाइन भुगतान और सरकारी सेवाएं लोगों तक तेजी से पहुंचने लगीं। 29 सितंबर 2016: सर्जिकल स्ट्राइक: उरी हमले के बाद भारतीय सेना ने सीमा पार जाकर आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया। यह पहली बार था जब सरकार ने ऐसी कार्रवाई की सार्वजनिक जानकारी दी। 8 नवंबर 2016: नोटबंदी: 500 और 1000 रुपए के नोट बंद कर दिए गए। लोगों को पुराने नोट बदलने और नए नोट लेने के लिए बैंकों में जाना पड़ा। 1 जुलाई 2017: जीएसटी लागू: देशभर में एक नई टैक्स व्यवस्था शुरू हुई। कई अलग-अलग टैक्स हटाकर एक सिस्टम बनाया गया। 26 फरवरी 2019: बालाकोट एयर स्ट्राइक: पुलवामा हमले के बाद भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला किया। 31 जुलाई 2019: तीन तलाक कानून: एक बार में तीन तलाक बोलकर शादी खत्म करने की प्रथा को कानूनन अपराध बना दिया गया।5 अगस्त 2019: अनुच्छेद 370 हटाया: जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर

दिया गया। साथ ही लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया।11 दिसंबर 2019: सीएए कानून: पड़ोसी देशों से आए कुछ गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने का रास्ता आसान किया गया। 2020-22: कोरोना और वैक्सीनेशन अभियान: कोरोना महामारी के दौरान देश में लॉकडाउन लगाया गया और 220 करोड़ कोरोना के टीके लगाए गए। 28 मई 2023: नया संसद भवन: दिल्ली में नए संसद भवन का उद्घाटन हुआ। 9-10 सितंबर 2023: जी20 सम्मेलन: दुनिया के बड़े देशों के नेताओं की बैठक दिल्ली में हुई। भारत पहली बार इस सम्मेलन का मेजबान बना। 22 जनवरी 2024: राम मंदिर: अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। इस दिन मंदिर आम लोगों के लिए भी खुल गया। 7 मई 2025:ऑपरेशन सिंदूर: पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया। 100 से अधिक आतंकी हमले में मारे गए। मोदी सरकार के 2 फैसले, जिन्हें वापस लिया- प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में 2 फैसले ऐसे रहे, जिन्हें विरोध, न्यायिक हस्तक्षेप और अन्य परिस्थितियों की वजह से वापस लेना पड़ा या उनमें बड़ा बदलाव करना पड़ा। 1. तीन कृषि कानून (2020-2021) लागू: सितंबर 2020 वापसी: 19 नवंबर 2021 (घोषणा), 29 नवंबर 2021 (संसद से निरस्तीकरण) सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए तीन नए कानून लागू किए थे। लेकिन इनका किसानों ने विरोध किया। दिल्ली के आसपास करीब एक साल तक आंदोलन चला। इसके बाद पीएम मोदी ने 19 नवंबर 2021 को कानून वापस लेने की घोषणा की। संसद ने 29 नवंबर 2021 को इन्हें औपचारिक रूप से निरस्त कर दिया। 2. भूमि अधिग्रहण अध्यादेश (2014-2015) लाया गया: दिसंबर 2014 वापसी/समाप्त: अगस्त 2015 सरकार ने भूमि अधिग्रहण कानून, 2013 में बदलाव के लिए अध्यादेश लाया। विपक्षी दलों और किसान संगठनों ने इसका विरोध किया। विधेयक लोकसभा से पारित हो गया, लेकिन राज्यसभा में मंजूरी नहीं मिल सकी। लगातार विरोध के बीच सरकार ने अगस्त 2015 में अध्यादेश को आगे नहीं बढ़ाया और उसे समाप्त होने दिया। मोदी के 2 चर्चित कार्यक्रम-मन की बात, शुरुआत- 3 अक्टूबर 2014: यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम है, जिसमें वे देशवासियों से संवाद करते हुए प्रेरक व्यक्तियों, जन आंदोलनों, सामाजिक अभियानों और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इसका उद्देश्य जनता से सीधा संवाद और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। जून 2026 तक इसके 135 संस्करण प्रसारित हो चुके हैं। परीक्षा पे चर्चा, शुरुआत- 16 फरवरी 2018: यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री का वार्षिक संवाद कार्यक्रम है, जिसमें वे परीक्षा तनाव, समय प्रबंधन, करियर और आत्मविश्वास से जुड़े सवालों का जवाब देते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को परीक्षा के तनाव से मुक्त होकर पढ़ाई पर फोकस करने के लिए प्रेरित करना है। 2026 तक इसके 9 एपिसोड सामने आ चुके हैं। मोदी का पाकिस्तान दौरा: 25 दिसंबर 2015 को काबुल से दिल्ली लौटते वक्त मोदी ने अचानक पाकिस्तान जाने का प्लान बना लिया। उसी शाम मोदी लाहौर एयरपोर्ट पर उतरे, जहां पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ ने उनकी अगवानी की।। मोदी नवाज शरीफ के घर भी गए थे।

मोदी का बतौर पीएम 4399 दिन का कार्यकाल,नेहरू का रिकॉर्ड टूटा, कैबिनेट ने तालियां बजाकर स्वागत किया, एनडीए की बैठक कुछ देर में

नयी दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने 10 जून को सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस रिकॉर्ड पर बधाई प्रस्ताव पारित होगा। इसके साथ ही 'विकसित भारत-2047' के रोडमैप, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय,

विकास परियोजनाओं, 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी। मोदी देश के सबसे ज्यादा कार्यकाल वाले इलेक्टेड पीएम दरअसल, 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वे 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक कुल 1732 दिन पीएम रहे। इसके बाद 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ। कांग्रेस सत्ता में आई। संसदीय दल ने नेहरू को अपना नेता चुना। इसके बाद नेहरू 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक लगातार निर्वाचित पीएम रहे। इस कार्यकाल 4398 वें दिन का रहा था। इस तरह निर्वाचित पीएम के तौर पर मोदी नेहरू से आगे निकल गए हैं।

मोदी ने 26 मई 2014 को पीएम पद की शपथ ली थी। आज उनके कार्यकाल के 4399 दिन पूरे हो गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के पास था। वे 1952 में हुए पहले आम चुनाव के बाद 4398 दिनों तक इस पद रहे। मोदी का पीएम के तौर पर यह लगातार तीसरा कार्यकाल है। दोपहर 12.30 बजे केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों ने पीएम मोदी के स्वागत में खड़े होकर तालियां बजाईं। साथ ही एक विशेष प्रस्ताव भी पारित किया। थोड़ी देर में एनडीए नेताओं की भारत मंडपम में बैठक होने वाली है। भाजपा और एनडीए शासित 22 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों के सीएम, डिप्टी सीएम, समेत प्रमुख नेता मंडपम पहुंचने लगे हैं। बैठक में मोदी के

टीएमसी में टूट जारी, एक और राज्यसभा सांसद का भी इस्तीफा, ममता से अब तक 58 विधायक, 20 लोकसभा सांसद अलग हुए, अभिषेक राहुल से मिले

नयी दिल्ली। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में लगातार टूट जारी है। बुधवार को राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से दो सांसद इस्तीफा दे चुके

3 दिनों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पहले 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। टीएमसी के लोकसभा में 28 में से 20 सांसद और राज्यसभा में 13 में से 2 सांसद यानी कुल 22 सांसद टूट चुके हैं। 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है। इस बीच ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। एक दिन पहले ममता सोनिया गांधी से मिलीं थीं। सवाल: आपने टीएमसी पार्टी छोड़ दी है, क्या वजह है? जवाब: मैं सिर्फ अपने बारे में जवाब दे सकती हूं। मैंने टीएमसी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सीट मुझे पार्टी ने ही दी थी। अब अगर पार्टी छोड़ रही हूं तो राज्यसभा की सीट भी छोड़नी चाहिए। मेरे कुछ पर्सनल और राजनीतिक कारण हैं। सवाल: टीएमसी में आने वाले समय में और इस्तीफे हो सकते हैं?जवाब: कौन क्या कर रहा है या करने वाला है। मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं। मैं बंगाल की राजनीति से सीधे तौर पर नहीं जुड़ी हूं। मैं असम से हूं।सवाल: आपने हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात की है, क्या कहना है? जवाब: देखिए, अब मैं आजाद हूं। हिमंता जी के साथ मेरे कांग्रेस के समय से अच्छे संबंध हैं। मैंने बस एक औपचारिक मुलाकात की। सवाल: क्या अब आप भाजपा जॉइन करने वाली हैं? जवाब: देखिए अब कुछ दिन रिलैक्स रहूंगी। कल मैं असम जा रही हूं, अपनी बहनों और माता जी से मिलने। 8 जून को टीएमसी के लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया था। सांसद और टीएमसी की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने कहा था कि सांसदों के साइन वाला पत्र लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेज दिया है। इसमें अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की गई। 3 जून को टीएमसी में पहली बार बगावत की खबर सामने आई थी। 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। स्पीकर ने मंजूरी दे दी। टीएमसी के पास हैं यानी सिर्फ 11 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीतीं थीं। जिसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पार्टियों के बीच मजबूती बनाए रखने पर चर्चा हुई। ममता बनर्जी ने मंगलवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की। ममता सोनिया के आवास 10 जनपथ पहुंचीं। दोनों नेताओं की मुलाकात करीब एक घंटे तक चली। 8 जून को करीब दो साल बाद हुई इंडिया की बैठक में ममता और अभिषेक भी शामिल हुए थे। इस बैठक में 25 विपक्षी दल शामिल हुए थे। टीएमसी में फूट के बाद आगे क्या हो सकता है-9 संभावनाएं:- कानूनी लड़ाई तेज होगी: ममता गुट और बागी गुट विधानसभा, चुनाव आयोग और अदालतों में अपनी-अपनी वैधता साबित करने की कोशिश करेंगे। दल-बदल कानून की परीक्षा: बागी विधायकों के पास दो-तिहाई संख्या होने का दावा है, इसलिए उनकी मान्यता पर बड़ा कानूनी विवाद हो सकता है। संगठन में और टूट-फूट संभव: कुछ विधायक, सांसद और जिला स्तर के नेता भी पक्ष चुन सकते हैं, जिससे दोनों गुटों की ताकत बदल सकती है। ममता बनर्जी डैमेज कंट्रोल करेंगी: असंतुष्ट नेताओं को मनाने, संगठन में बदलाव और नए चेहरों को आगे लाने की कोशिश हो सकती है। भाजपा और कांग्रेस नजर बनाए रखेंगी: विपक्षी दल टीएमसी के संकट का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं।

स्थानीय निकाय और उपचुनावों पर असर: अगर फूट गहरी हुई तो आने वाले चुनावों में टीएमसी के वोट बैंक और संगठन पर असर पड़ सकता है। नई पार्टी या अलग गुट बन सकता है: यदि समझौता नहीं हुआ तो बागी खेमे के अलग राजनीतिक दल या स्थायी गुट के रूप में उभरने की संभावना है। इंडिया गठबंधन की राजनीति प्रभावित होगी: ममता बनर्जी की राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका और इंडिया ब्लॉक के भीतर उनकी ताकत पर असर पड़ सकता है। सबसे बड़ा सवाल- टीएमसी किसकी? आने वाले दिनों में असली लड़ाई सिर्फ विधायकों की संख्या की नहीं, बल्कि पार्टी के नाम, संगठन और राजनीतिक विरासत की होगी।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर किया एयरस्ट्राइक, 11 बच्चों समेत 13 की मौत, 14 महिलाएं घायल, तालिबान ने एयरस्पेस उल्लंघन का आरोप लगाया

काबुल/इस्लामाबाद। इसके उलट तालिबान पाकिस्तान पर था कि कार्रवाई में एक गोला-बारूद डिपो को टारगेट किया गया था। सरकार पर दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल

अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन करने का आरोप लगाता है।तालिबान का दावा- मार्च में पाक के हमले से 400 लोगों की जान गई- तालिबान सरकार के अनुसार पिछले एक साल में पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। मार्च 2026 में अफगानिस्तान पर एक बड़ा हवाई हमला किया था। अफगान अधिकारियों के मुताबिक, काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुई बमबारी में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। तालिबान ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में 269 मौतों की पुष्टि हुई थी। अफगानिस्तान का दावा था कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया था। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। पाकिस्तान का दावा मार्च की उस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। सीमा पार हमलों, एयरस्ट्राइक और सैन्य झड़पों को लेकर दोनों देश लगातार एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं। पाकिस्तान-अफगानिस्तान में 4 महीने से संघर्ष जारी-पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था।इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया। पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे।

इस्लामाबाद का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान से ऑपरेट हो रहा है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों से लगातार इनकार करती रही है। 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

रूस में 20 गुजराती फंसे, बोले-पासपोर्ट जब्त,एजेंट ने डेढ़ लाख की नौकरी का झांसा देकर भेजा, सैलरी रु10 हजार मिला

अहमदाबाद।इसके बदले उनसे 2.10 लाख से 3 लाख रुपए तक लिए गए। कुल वसूली करीब 78

लाख रुपए बताई जा रही है। इससे पहले नवंबर 2025 में रूस भेजे गए 13 लोग कम सैलरी और खराब हालात के कारण भारत लौट आए थे। वहीं इसी साल अप्रैल में 20 अन्य लोगों को भेजा गया, जो अभी भी रूस में हैं। मामले की जांच आनंद एलसीबी कर रही है। आरोपी रिम्पल पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस रूस में फंसे लोगों से लगातार संपर्क में है और उन्हें सुरक्षित भारत वापस लाने की कोशिश कर रही है।रूस में फंसी वडोदरा की शीतल मेवाड़ा ने वीडियो जारी कर बताया कि उन्हें और अन्य लोगों को डेढ़ लाख रुपए महीने की सैलरी का भरोसा दिया गया था। रूस पहुंचने के बाद पहले महीने पूरा काम कराया गया, लेकिन महिलाओं को केवल 6 हजार और पुरुषों को 10 हजार रुपए के आसपास दिया गया। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें बताया गया था कि सामान्य सिलाई और फिश पैकिंग का काम होगा, लेकिन वहां पहुंचने के बाद अलग तरह का काम कराया जाने लगा और वेतन में कटौती की गई। पीड़ितों ने बताया कि जिस कंपनी के साथ उनका कॉन्ट्रेक्ट हुआ, उसने उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए थे। जब उन्होंने भारत लौटने की इच्छा जताई तो कंपनी ने हर व्यक्ति से 500 डॉलर जमा कराने और हवाई टिकट का खर्च खुद उठाने को कहा। उनका आरोप है कि उन्हें कमरे में बंद रखा जाता है, बाहर निकलने पर रोक लगाई जाती है और भोजन-पानी भी उपलब्ध नहीं कराया जाता। कई लोग कर्ज लेकर रूस पहुंचे थे, इसलिए अतिरिक्त खर्च उठाना उनके लिए संभव नहीं है। नवंबर 2025 में रूस से लौटे लोगों ने बताया कि कई लोगों को एक ही हॉल में रखा गया, खराब क्वॉलिटी का खाना मिलता था। बीमार होने पर इलाज भी नहीं मिला। भारत लौटने की मांग करने पर उनसे भारी रकम मांगी गई। रूस में फंसे लोगों के परिजन ने आनंद के सांसद मितेश पटेल को पत्र लिखकर मदद मांगी। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और जांच शुरू हुई। सांसद ने बताया कि प्रशासन रूस में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास कर रहा है। कुछ लोगों के पासपोर्ट वापस दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। आनंद जिले के डीएसपी जेएन पंचाल ने बताया कि 5 जून को शिकायत दर्ज की गई। आरोपी रिम्पल कुमार पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें आरोप है कि रूस भेजे गए लोगों को तय सैलरी नहीं मिली और उन्हें वापस लाने के लिए भी कोई प्रयास नहीं किया गया। जांच में सामने आया है कि लोगों को दो साल के अनुबंध पर रूस भेजा गया था और उन्हें एक लाख रुपए तक मासिक वेतन का भरोसा दिया गया था। एलसीबी की टीम रूस में मौजूद सभी 20 लोगों से फोन और वीडियो कॉल के जरिए संपर्क में है। गुजरात पुलिस, स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि रूस में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की कोशिश में जुटे हैं। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि नौकरी के नाम पर लोगों को विदेश भेजने के इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है।

36 हजार भारतीय सिम कंबोडिया में एक्टिव,साइबर क्राइम के लिए इन्हीं में से 5,300 कार्ड का इस्तेमाल किया गया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कंबोडिया से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान और पंजाब में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। जांच में खुलासा हुआ है कि हजारों भारतीय सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिव कर विदेशी नेटवर्क तक पहुंचाए जा रहे थे, जिनका इस्तेमाल भारत में बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा था। जांच के दौरान एजेंसी ने करीब 2.3 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया। इसमें सामने आया कि लगभग 36 हजार भारतीय सिम कार्ड कंबोडिया में सक्रिय थे। 5300 सिम भारत में साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल-इनमें से करीब 5300 सिम कार्ड सीधे तौर पर भारत में साइबर फ्रॉड के मामलों में इस्तेमाल किए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार इन नंबरों के जरिए देशभर में सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया गया। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जोधपुर साइबर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की। 5 जून को शुरू हुई इस कार्रवाई के तहत राजस्थान के किशनगढ़, नागौर और जोधपुर के साथ पंजाब के लुधियाना में कुल सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान ईडी ने बड़ी संख्या में दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और 14 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मलेशियाई नागरिकों के जरिए भेजी जाती थीं सिम-ईडी के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क बेहद सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था। सिम विक्रेता टेलीकॉम कंपनियों की पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) आईडी का उपयोग कर लोगों को नया सिम लेने या मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के बहाने बुलाते थे। कम पढ़े-लिखे और जागरूकता की कमी वाले लोगों के दस्तावेज लेकर उनके नाम पर अतिरिक्त सिम कार्ड भी सक्रिय कर दिए जाते थे। बाद में इन सिम कार्डों को मलेशियाई नागरिकों के जरिए कंबोडिया भेजा जाता था।

यूपी-बिहार में आंधी के साथ बारिश, 100 जगह पेड़-पोल उखड़े,मुंबई में लैंडस्लाइड, 5 कारें मलबे में दबीं, राजस्थान में रेतीला तूफान आया

लखनऊ/जयपुर/पटना। मानसून ने केरलम में दस्तक देने के 6 दिन में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों को कवर कर लिया है। मंगलवार को यह मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल पहुंचा। अब तक 16 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। बिहार में मंगलवार को 10 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। बेगूसराह में एक ऑटो पर पोल गिर गया। उत्तर प्रदेश के इटावा में तेज तूफान के साथ बारिश हुई। 100किमी/घंटा की रफ्तार से आंधी भी चली। इस दौरान 100 से ज्यादा जगहों पर पेड़-पोल गिर गए। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में भारी

बारिश के बाद लैंडस्लाइड होने से 5 कारें मलबे में दब गईं। पवने एमआईडीसी इलाके में पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा ढहा था। इधर, राजस्थान के अलवर में रेत का बवंडर उठा। मध्य प्रदेश के 26 शहरों में अधिकतम तापमान 40डिग्री से ज्यादा रहा। दिल्ली में पालम में 111किमी/घंटा की रफ्तार से आंधी चली। मानसून अपडेट-केरलम में 4 जून को पहुंचा मानसून अब पूर्वोत्तर के सभी राज्यों तक पहुंच गया है। मंगलवार को मानसून ने मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को भी कवर कर लिया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 4-5 दिनों में मानसून महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के बाकी हिस्सों, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में आगे बढ़ सकता है।

दोस्त के अंतिम संस्कार में रो पड़े सलमान खान,सहारा लेकर क्रिमेटोरियम से निकले, हेलन को संभालते दिखे सोहेल,पूरा परिवार पहुंचा

मुंबई। एक्टर सलमान खान परिवार के साथ मंगलवार को अपनी फैमिली फ्रेंड कुमुद राणे के अंतिम संस्कार में पहुंचे। इस दौरान सलमान के भाई सोहेल, अरबाज और उनकी मां सलमा खान भी मौजूद थीं। अंतिम संस्कार के दौरान सलमान काफी इमोशनल नजर आए। कौन थीं कुमुद राणे-अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई है कि कुमुद राणे का निधन किस वजह से हुआ। कुमुद दुबई में साल 2005 में स्थापित लग्जरी ब्यूटी लाउंज और सैलून 'रेन ब्यूटी बार' की मालकिन थीं। वो सलमान खान, सीमा सजदेह, महीप कपूर और संजय कपूर जैसे कई फिल्मी सेलेब्स की करीबी दोस्त थीं। उनके निधन पर संजय कपूर ने पोस्ट करते हुए लिखा, आप हमेशा हमारे दिल में रहोगी। कुमद के निधन पर मेकअप आर्टिस्ट शीबा इकबाल ने लिखा-'आज मैं अपनी प्रिय बॉस कुमद राणे मैडम को गहरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद कर रही हूं। आप मेरे लिए सिर्फ एक बॉस नहीं थीं। आप एक दयालु लीडर, मार्गदर्शक और ऐसी इंसान थीं, जो हमेशा अपने आसपास के लोगों को प्रोत्साहित और सहयोग करती थीं। आपके साथ काम करते हुए मैंने सिर्फ अपने पेशे के बारे में ही नहीं, बल्कि समर्पण, प्रोफेशनल रवैये और दूसरों के

प्रति दयालुता का महत्व भी सीखा। आपके मार्गदर्शन ने मेरे करियर को आकार दिया और आपके भरोसे ने मुझे अपने काम में आत्मविश्वास दिया। आपकी दयालुता और सहयोग की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। भले ही आज आप हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन हमारे जीवन पर आपका प्रभाव हमेशा बना रहेगा।ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे और आपको स्वर्ग में सर्वोच्च स्थान प्रदान करे। आप हमेशा हमारी यादों में जिंदा रहेंगी और आपकी कमी हमेशा महसूस होगी।' पिछले महीने भी सलमान के दोस्त का निधन हुआ था-पिछले महीने सलमान खान ने अपने 42 साल पुराने करीबी दोस्त सुशील कुमार के निधन पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दुख जताया था। सलमान ने बताया था कि सुशील उनके लिए सिर्फ दोस्त नहीं बल्कि एक भाई की तरह थे। सुशील के लिए सलमान ने एक लंबा और इमोशनल नोट लिखा था। सलमान ने अपने और पिता सलीम खान के साथ सुशील की पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं। एक्टर ने लिखा कि सुशील पिछले 42 सालों से उनके साथ भाई की तरह थे। वे एक बहुत ही दयालु और मददगार इंसान थे।सलमान के मुताबिक, चाहे आर्थिक तंगी हो, भावनात्मक परेशानी हो या शारीरिक बीमारी, सुशील के चेहरे से मुस्कान कभी कम नहीं होती थी। वे मुश्किल से मुश्किल हालात में भी डांस करते थे और मुस्कुराते रहते थे। 'की फरक नई पैंदा' कहते थे सुशील सलमान ने सुशील की पॉजिटिव सोच को याद करते हुए बताया था कि वे हमेशा एक ही बात कहते थे- 'की फरक नई पैंदा, सब ठीक होगा' (कोई फर्क नहीं पड़ता, सब ठीक हो जाएगा)। सलमान ने उन्हें एक ऐसा योद्धा बताया जिसने मौत का सामना किसी 'हैवीवेट चैंपियन' की तरह किया। एक्टर ने लिखा था, 'तुम्हारे लिए मेरी आंखों में आंसू नहीं हैं भाई, बल्कि सिर्फ तुम्हारी यादें और हंसी है। मेरा भाई चेहरे पर मुस्कान लिए दुनिया से गया।' 'मातृभूमि' फिल्म में नजर आएंगे सलमान वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण सलमा खान के बैनर सलमान खान फिल्म्स के तले हो रहा है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं और इसमें चित्रांगदा सिंह लीड रोल में नजर आएंगी।

खूबसूरती के लिए इंजेक्शन लगवाना, सीडीएससीओ ने बताया गैरकानूनी, नर्व डैमेज और एलर्जिक रिएक्शन का रिस्क, इससे दूर रहें

मुंबई। आजकल 'इंस्टेंट ग्लो' की चाह में कॉस्मेटिक इंजेक्शन और आईवी ड्रिप्स का ट्रेंड बढ़ा है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, मॉडल्स और सेलिब्रिटीज को देखकर लोग ये ब्यूटी ट्रेंड्स अपना रहे हैं। लेकिन इंजेक्शन' कोई ऑफिशियल मेडिकल टर्म नहीं है। यह आम बोलचाल में इस्तेमाल होता है। सवाल- क्या ग्लो इंजेक्शन और कॉस्मेटिक इंजेक्शन एक ही चीज है? जवाब- नहीं, ये एक ही चीज नहीं हैं। ग्लो इंजेक्शन, मेडिकल कंडीशन्स (जैसे एंटीऑक्सिडेंट सपोर्ट) के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ब्यूटी या स्किन लाइटनिंग के लिए इसका इस्तेमाल अप्रूव्ड नहीं है। सवाल- कॉस्मेटिक इंजेक्शन के क्या साइड इफेक्ट्स हो सकते

यह कितना रिस्की हो सकता है, कम ही लोग जानते हैं। हाल ही में 'सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन' (सीडीएससीओ) ने साफ किया है कि कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स को इंजेक्शन के रूप में इस्तेमाल करना नियमों के खिलाफ है और ऐसी प्रैक्टिसेज पर सख्ती जरूरी है। इसलिए जानेंगे कि- कॉस्मेटिक इंजेक्शन क्या होते हैं? लोग इन्हें क्यों ठेते हैं? इनके क्या साइड इफेक्ट्स हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. विनोद विज, कंसल्टेंट, प्लास्टिक एंड कॉस्मेटिक सर्जरी, अपोलो हॉस्पिटल, नवी मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- कॉस्मेटिक इंजेक्शन क्या होते हैं? जवाब- यह एक नॉन-सर्जिकल ब्यूटी ट्रीटमेंट है। इसमें स्किन या बॉडी में दवाएं, केमिकल्स या बायोलॉजिकल सब्सटेंस को इंजेक्ट करके चेहरे को खूबसूरत बनाया जाता है। इसमें खासतौर पर स्किन की बनावट को बदला जाता है। इनका इस्तेमाल झुर्रियां कम करने, स्किन को टाइट करने, वॉल्यूम बढ़ाने या ग्लो के लिए किया जाता है। सवाल- लोग कॉस्मेटिक इंजेक्शन क्यों लगवाते हैं? जवाब- आजकल इंस्टेंट ब्यूटी की चाहत में कॉस्मेटिक इंजेक्शन का ट्रेंड बढ़ रहा है। इंस्टेंट ग्लो और ब्राइटनिंग के लिए। फेशियल शेप सुधारने के लिए। स्किन टोन इवन करने के लिए। एंटी-एजिंग के लिए। ब्यूटी इंडस्ट्री में कई तरह के इंजेक्टेबल ट्रीटमेंट ट्रेंड में हैं। इन्हें लोग एंटी-एजिंग, ग्लो या फेस शेप सुधारने जैसे अलग-अलग जरूरतों के लिए चुनते हैं। पॉपुलर कॉस्मेटिक इंजेक्शन्स-ग्लूटाथियोन इंजेक्शन, डर्मल फिलर्स, फिलर्स, विटामिन ग्लो ड्रिप, बोटॉक्स, स्किन ब्राइटनिंग इंजेक्शन, फैट डिसॉल्विंग, इंजेक्शन। सवाल- 'ग्लो इंजेक्शन' क्या होता है? जवाब- यह ऐसा ट्रीटमेंट है, जिसमें अंदर से स्किन का रंग निखारने या टोन हल्का करने का दावा किया जाता है। इसमें आमतौर पर ग्लूटाथियोन (नेचुरल एंटीऑक्सिडेंट), विटामिन-सी या अन्य एंटीऑक्सिडेंट्स को इंजेक्शन/आइवी ड्रिप के जरिए शरीर में दिया जाता है। हालांकि, 'ग्लो कॉस्मेटिक इंजेक्शन की एक सब कैटेगरी है। सवाल- क्या ये इंजेक्शन सच में स्किन को गोरा या चमकदार बनाते हैं? जवाब- नहीं, इन इंजेक्शन्स में मौजूद ग्लूटाथियोन, मेलानिन (स्किन पिगमेंट) बनने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इससे- स्किन थोड़ी ब्राइट या इवन-टोन दिख सकती है। यह असर सीमित, अस्थायी और व्यक्ति पर निर्भर होता है। इंजेक्शन लेना बंद करने पर स्किन पहले जैसी हो सकती है। किसी भी इंजेक्शन को 'गारंटीड स्किन व्हाइटनिंग' का उपाय नहीं माना जा सकता। सवाल- कॉस्मेटिक इंजेक्शन का असर कितने समय तक रहता है? जवाब- इनका असर आमतौर पर कुछ हफ्तों से कुछ महीनों तक रहता है। शुरुआत में असर दिखने में 3-6 हफ्ते लग सकते हैं। अगर असर दिखता है, तो यह आमतौर पर 2-3 महीने तक टिकता है। ट्रीटमेंट बंद करते ही स्किन धीरे-धीरे पहली स्थिति में लौट सकती है। सवाल- क्या कॉस्मेटिक इंजेक्शन एक बार लेने के बाद बार-बार लेना पड़ता है? जवाब- हां, आमतौर पर बार-बार लेना पड़ता है, क्योंकि इसका असर अस्थायी होता है। सवाल- सीडीएससीओ ने कॉस्मेटिक इंजेक्शन को लेकर क्या कहा है? जवाब- सीडीएससीओ ने स्पष्ट किया है कि किसी भी कॉस्मेटिक प्रोडक्ट को इंजेक्शन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कॉस्मेटिक्स केवल स्किन पर लगाने के लिए होते हैं, न कि शरीर में इंजेक्ट करने के लिए। सवाल- सीडीएससीओ ने किन इंजेक्शन्स को गैरकानूनी बताया गया है? जवाब- 'ग्लो' या 'स्किन गोरा करने' के नाम पर दिए जा रहे सभी इंजेक्टेबल ट्रीटमेंट्स CDSCO के नियमों के खिलाफ हैं। इन कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स को इंजेक्शन के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। सवाल- क्या भारत में ग्लूटाथियोन इंजेक्शन कॉस्मेटिक इस्तेमाल के लिए अप्रूव्ड नहीं है? क्या डॉक्टर ऑफ-लेबल इनका इस्तेमाल कर रहे हैं? जवाब- हां, भारत में ग्लूटाथियोन इंजेक्शन को 'स्किन व्हाइटनिंग/ग्लो' के लिए मंजूरी नहीं है। इन्हें कुछ हैं? जवाब- मेडिकल प्रोसीजर होने से इसके कई शार्ट और लॉन्ग टर्म साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कॉस्मेटिक इंजेक्शन के साइड इफेक्ट्स- सुन्नपन, सांस लेने में दिक्कत, रेडनेस, सूजन, ब्लीडिंग, इंफेक्शन एलर्जिक रिएक्शन,चेहरे में टेढ़ापन, मसल वीकनेस, वेस्कुलर ऑक्लूजन सवाल- क्या इससे इन्फेक्शन हो सकता है? जवाब- हां, अगर-अनट्रेंड या अनक्वालिफाइड व्यक्ति इंजेक्शन दे। सुई या उपकरण रीयूज किए जाएं। इंजेक्शन के बाद स्किन की सही केयर न की जाए तो इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ता है। सवाल- क्या इससे नर्व डैमेज का रिस्क भी हो सकता है? जवाब- हां, अगर- इंजेक्शन गलत जगह लगे। गलत तरीके से दिया जाए। इंजेक्शन सीधे नर्व के पास या अंदर लग जाए।दवा गलत लेयर में चली जाए। चेहरे की एनाटॉमी की सही समझ न हो तो नर्व डैमेज (नसों को नुकसान) का रिस्क हो सकता है। सवाल- क्या इससे फेशियल पैरालिसिस भी हो सकता है? जवाब- हां, कुछ कंडीशंस में फेशियल पैरालिसिस का रिस्क हो सकता है। जैसे- इंजेक्शन फेशियल नर्व के पास लग जाए।दवा गलत जगह फैलकर नर्व सिग्नल ब्लॉक कर दे। अनट्रेंड व्यक्ति द्वारा गलत तकनीक से इंजेक्शन लगाए जाए। हालांकि ये काफी रेयर होता है। सवाल- क्या ये इंजेक्शन जानलेवा भी हो सकता है? जवाब- हां, खतरा तब बढ़ता है, जब- एलर्जिक रिएक्शन हो जाए। वस्कुलर ऑक्लूजन (ब्लड वेसल्स का ब्लॉक होना) हो जाए। गंभीर इन्फेक्शन हो जाए। गलत दवा/ओवरडोज ले लिया जाए। सवाल- लोगों का मानना है कि सारे सेलिब्रिटीज ये ट्रीटमेंट करवाते हैं। तो ये अनसेफ कैसे हो सकता है? जवाब- सेलिब्रिटीज आमतौर पर अनुभवी डॉक्टर और हाई-स्टैंडर्ड मेडिकल सेटअप में ये प्रक्रियाएं कराते हैं। जबकि आम लोग अनट्रेंड लोगों या असुरक्षित जगहों पर इन्हें करवा लेते हैं, इससे रिस्क बढ़ जाता है। इसके अलावा- सोशल मीडिया पर दिखने वाला 'ग्लो' अक्सर मेकअप, फिल्टर और लाइटिंग का भी असर होता है। कॉस्मेटिक इंजेक्शन एक मेडिकल प्रोसीजर है। इसमें इन्फेक्शन, एलर्जी या नर्व डैमेज जैसे जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं होते। इसलिए सिर्फ सेलिब्रिटी ट्रेंड के आधार पर इसे सुरक्षित मानना सही नहीं है। सवाल- आम लोगों के लिए ये ज्यादा खतरनाक क्यों है? जवाब- इसके कई कारण हैं, जैसे- कई लोग पार्लर से इंजेक्शन लगवा लेते हैं, जहां क्लिनिक जैसा स्टरलाइजेशन और सेफ्टी नहीं होती। मेडिकल हिस्ट्री, एलर्जी या स्किन टाइप का आंकलन नहीं होता। इंजेक्शन गलत जगह या गलत मात्रा में लग सकता है। रिएक्शन होने पर तुरंत इलाज की सुविधा नहीं होती। सही देखभाल न होने से इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ता है। सवाल- ग्लोइंग स्किन पाने का बेस्ट तरीका क्या है? जवाब- ग्लोइंग स्किन के लिए महंगे इंजेक्शन जरूरी नहीं होते। सही स्किनकेयर, हेल्दी लाइफस्टाइल और सन प्रोटेक्शन से नेचुरल और लॉन्ग-लास्टिंग ग्लो पाया जा सकता है। सही खानपान से स्किन नेचुरली ग्लो करती है, जबकि गलत चीजें इसे डल और एक्ने-प्रोन बना सकती हैं। 'इंस्टेंट ग्लो' का आकर्षण भले ही बढ़ रहा हो, लेकिन सेफ और लंबे समय तक टिकने वाला निखार केवल सही स्किनकेयर, बैलेंस्ड डाइट, सन प्रोटेक्शन और हेल्दी लाइफस्टाइल से ही संभव है।

आशा पारेख को रिवीलिंग ड्रेस पहनने को कहा गया था,भड़कते हुए बोली थीं- क्या आपकी बेटी को यह कॉस्ट्यूम अच्छा लगेगा?

मुंबई। वेटरन एक्ट्रेस आशा पारेख ने हाल ही में बताया कि एक फिल्म के डांस नंबर के लिए उन्हें रिवीलिंग कॉस्ट्यूम पहनने का सुझाव दिया गया था, जिसका उन्होंने विरोध किया था। गौरतलब है कि फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर के प्रेजेंटेशन को लेकर बहस जारी है। फिल्म में जान्हवी के किरदार को कैमरे के कुछ एंगल्स और क्लोज-अप शॉट्स के जरिए ऑब्जेक्टिफाई किए जाने के आरोपों के बीच आशा पारेख और जया बच्चन ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की प्रस्तुति को लेकर अपने अनुभव शेयर किए। 'डेक्कन क्रॉनिकल' को दिए इंटरव्यू में आशा पारेख ने बताया, 'मुझे याद है, एक बार एक डायरेक्टर ने

मुझसे एक डांस नंबर के लिए काफी रिवीलिंग ड्रेस पहनने को कहा था। मैंने उनकी आंखों में देखकर पूछा, 'अगर आपकी बेटी यह ड्रेस पहने तो क्या आपको अच्छा लगेगा?' इसके बाद वह ड्रेस चुपचाप हटा दी गई।' आशा पारेख ने आगे कहा, 'आज की हीरोइनें बहुत खूबसूरत हैं। उन्हें खुद को इस तरह दिखाने की कोई जरूरत नहीं है। देखिए, संजय लीला भंसाली अपनी हीरोइनों को कितने खूबसूरत और सलीके से पेश करते हैं। उनकी फिल्मों में एक्ट्रेसेस बेहद सुंदर लगती हैं। लेकिन दूसरे कुछ डायरेक्टर उन्हीं एक्ट्रेसेस को अलग तरीके से दिखाते हैं और उनका गलत फायदा उठाते हैं।' एक डायरेक्टर ने जया को ऑब्जेक्टिफाई किया था-वहीं, जया बच्चन ने कहा कि उनके साथ किसी ने भी सीमाएं लांघने की कोशिश नहीं की। उन्होंने बताया कि केवल एक बार उन्हें किसी डायरेक्टर ने ऑब्जेक्टिफाई किया था, जिसके बाद उन्होंने उस फिल्ममेकर के साथ दोबारा काम नहीं किया। वहीं, करीना ने कहा, 'पर्दे पर आकर्षक दिखने का मतलब छोटे या रिवीलिंग कपड़े पहनना नहीं है। किसी एक्ट्रेस को सिर्फ उसके शरीर के जरिए दिखाना भी जरूरी नहीं है।' गौरतलब है कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'पेद्दी' के कुछ सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हुई, जिसके बाद डायरेक्टर बुच्ची बाबू सना ने दर्शकों से माफी मांगी और विवादित सीन्स हटा दिए गए।

मेरी शादी तय हो गई है-अरेंज मैरिज से डर लग रहा है, पता नहीं नया घर कैसा मिलेगा, इस एंग्जाइटी से कैसे निपटूं?

नोएडा। विषय को समझेंगे डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 26 साल

है। मेरी अरेंज मैरिज तय हो गई है। लड़का अच्छा है, उससे फोन पर बातचीत भी होती है, लेकिन मैं इस रिश्ते को लेकर पूरी तरह श्योर नहीं हूं। मेरे मन में ये सवाल आता रहता है कि किसी से फोन पर एक-दो बार बात करके उसके बारे में कितना जाना जा सकता है। मुझे नहीं पता कि उसकी फैमिली कैसी होगी। यह सब सोचकर मुझे शादी को लेकर एंग्जाइटी हो रही है। समझ नहीं आ रहा है कि मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले इतने स्पष्ट शब्दों में सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। जीवन के इतने अहम फैसले को लेकर मन में दुविधा या घबराहट होना स्वाभाविक है। शादी केवल रस्म नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ा बड़ा फैसला है। आपकी चिंता यह बताती है कि आप अपने फैसले को लेकर गंभीर हैं। एंग्जाइटी को समझें -शादी एक बड़ा 'लाइफ ट्रांजिशन' है। अरेंज मैरिज में ज्यादातर लोग अपने पार्टनर के अतीत, उसकी आदतों और स्वभाव से पूरी तरह वाकिफ नहीं होते। साइकोलॉजी में इसे 'फियर ऑफ अननोन' कहते हैं। अगर फ्यूचर को लेकर क्लैरिटी न हो तो एंग्जाइटी होना स्वाभाविक है। यह क्लैरिटी क्यों नहीं बन पा रही है, इसके पीछे कई सवाल हो सकते हैं। आपको का पता चलेगा।एंगर कंट्रोल पता चलेगा कि गुस्से में कैसे बिहेव करते हैं। असलियत पता चलेगा कि बातचीत बनावटी है या असली। हाइजीन वमिंग रहन-सहन का सलीका समझ आएगा। डाउट क्लियर रूबरू होने पर मन का डर हटेगा। आपने लिखा है कि आपको इतना बड़ा डिसीजन लेने में घबराहट हो रही है। इसलिए किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले खुद और लड़के को इन 5 पैमानों पर जरूर परखें- फाइनेंशियल वैल्यूज, पैसों के प्रति उसकी सोच क्या है? क्या वह खर्चीला है या बचत पर ध्यान देता है?, करियर और ग्रोथ, शादी के बाद आपके करियर को लेकर क्या सोचता है? पर्सनल ग्रोथ को लेकर क्या सोचता है? फैमिली बाउंड्रीज-ससुराल के लोग पार्टनर की पर्सनल लाइफ में कितनी दखलअंदाजी करते हैं? कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट-असहमति होने पर लड़का कैसे रिएक्ट करता है? क्या वह शांत रहता है या डोमिनेटिंग हो जाता है? लाइफस्टाइल- खान-पान, रहने का तरीका और सोशल लाइफ को लेकर दोनों के बीच कितनी समानता है?फैमिली डायनामिक्स को समझें- अरेंज मैरिज में सिर्फ लड़का अच्छा होना काफी नहीं है। परिवार का माहौल और उसके व्यवहार को समझना भी उतना ही जरूरी है। कई बार पार्टनर अच्छा होता है, लेकिन परिवार की उम्मीदें और 'रूल्स' के भीतर घुटन महसूस हो सकती है। ऐसे में उसके घर वालों से मिलें, उनकी बातचीत के ढंग को समझने की कोशिश करें कि वे आपस में एक-दूसरे का कितना सम्मान करते हैं। रेड फ्लैग्स और ग्रीन फ्लैग्स पहचानें- बातचीत के दौरान कुछ संकेतों पर ध्यान दें। लड़का बार-बार आपकी बात काटता है। केवल अपनी चलाता है। या अपने परिवार की गलत बातों का भी पक्ष लेता है, तो ये 'रेड फ्लैग्स' हैं। इसके विपरीत अगर वह-आपकी घबराहट को एक्सेप्ट करता है। आपसे आपके डर के बारे में पूछता है। आपको सहज महसूस कराता है, तो ये 'ग्रीन फ्लैग्स' हैं।

आप क्या करें? 1. मीटिंग्स बढ़ाएं: पब्लिक प्लेस पर मिलें। साथ में समय बिताने से व्यवहार की असलियत सामने आएगी। 2. क्लियर बातचीतः अपनी उम्मीदों, करियर और डर के बारे में खुलकर बात करें। 3. समय मांगेंः शादी में जल्दबाजी करना ठीक नहीं है।

अगर दुविधा है, तो सगाई या शादी की तारीख को लेकर थोड़ा समय मांगें। 4. प्री-मैरिटल काउंसलिंगः अगर उलझन खत्म नहीं हो रही, तो प्रोफेशनल काउंसलर की मदद लें। साथ ही शादी का फैसला लेने से पहले खुद से कुछ सवाल पूछें- क्या मैं दबाव में 'हां' कह रही हूं? क्या मुझे उसके साथ सुरक्षा महसूस होती है? क्या हमारी लाइफ वैल्यूज मेल खाती हैं? क्या मैं उसके परिवार में खुद को देख पा रही हूं? शादी को लेकर कन्फ्यूजन, दबाव और एंग्जाइटी होना बिल्कुल सामान्य है। लेकिन सही जानकारी, खुले सवाल और समय लेकर पार्टनर को समझने से आप बेहतर और संतुलित फैसला ले सकती हैं। अंतिम सलाह-शादी के फैसले में 'हां' कहने का मतलब है कि आप उस व्यक्ति के साथ अपनी कमियों और खूबियों को साझा करने के लिए तैयार हैं। सही फैसले के लिए एक-दूसरे को समझना जरूरी है। स्पष्टता ही आपकी एंग्जाइटी का एकमात्र इलाज है।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।